हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, शुक्रवार 13 फरवरी 2026

11 अपने कड़वे संस्कार और आक-धतूरे समान ...

12 थाना प्रभारी पर लगाया दुर्व्यवहार करने का...

भिवानी। अन्य दिनों की तरह बस अड्डे पर खड़ीं बसें। फोटो : हरिभूमि

भिवानी। हड़ताल के दौरान नेहरू पार्क में बैठे कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

भिवानी। राष्ट्रव्यापी हड़ताल के दौरान शहर में जुलूस निकालते कर्मचारी। । फोटो : हरिभूमि

राष्ट्रव्यापी हड़ताल का रहा मिला जुला असर कर्मचारियों ने जुलूस निकाल किया प्रदर्शन

बंटे कर्मचारी : एक गुट ने कामकाज निपटाया तो दूसरे दिनभर की हड़ताल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी/तोशाम/बहल/बवानीखेड़ा

गुरुवार को राष्ट्रव्यापी हड़ताल का मिला जुला असर रहा। कर्मचारियों के एक गुट ने शहर में प्रदर्शन कर सरकार की जन व कर्मचारी विरोधी नीतियों का विरोध जताया। पूरे दिन हड़ताल पर रहे। कोई सरकारी कार्य नहीं किया। दूसरी तरफ कर्मचारों के दूसरे गुट ने हड़ताल से किनारा किया। वे अन्य दिनों की तरह कार्यालय में गए और सरकारी कामकाज निपटाया।जिसके चलते सरकारी कार्यालयों में कर्मचारियों की हाजिरी 50 फीसदी के आसपास बनी रही। दूसरी तरफ रोडवेज में हड़ताल का कोई खास असर नहीं दिखा।

सरकारी कार्यालयों में कर्मचारियों की हाजिरी 50 फीसदी के आसपास बनी रही

रोडवेज में हड़ताल का खास असर नहीं दिखा। अन्य दिनों की तरह बसें निर्धारित समय पर चली और समय पर पहुंची

अन्य दिनों की तरह रोडवेज की बसें निर्धारित समय पर चली और समय पर पहुंची। अन्य विभागों में भी इसी तरह का माहौल बना रहा। गिनती के कर्मचारी ही हड़ताल में शामिल हुए,जबकि अन्य कर्मचारी दिनभर सरकारी कार्य निपटाते नजर आए। वहीं किसी अप्रिय घटना से बचने के लिए सार्वजनिक स्थानों के अलावा बस अड्डा व रेलवे स्टेशन पर पुलिस बल तैनात रहा।

छीना जा रहा यूनियन बनाने का अधिकार

प्रदर्शन डिपो प्रधान राजकुमार तालू, नरेंद्र लोहारू व रमेश की अध्यक्षता में किया गया। संचालन जयपाल चौहान ने किया।प्रदर्शन में मौजूद कर्मचारियों को संबोधित करते हुए साँझा मोर्चा के वरिष्ठ मुकेश दुहन, सुरेन्द्र अमित कुमार सज्जन कुमार,बिजेंद्र सिंह सुरेन्द्र नेहरा, सचिन कुंडू व काफी संख्या में आदि सदस्यों ने राष्ट्रव्यापी हड़ताल के समर्थन में केंद्र सरकार के रोष व्यक्त कर नारेबाजी की। केन्द्र सरकार पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने के लिए कर्मचारी व मजदूर विरोधी श्रम कानून को लागू कर रही है जो पूरी तरह कर्मचारी एवं मजदूर विरोधी हैं कर्मचारी एवं मजदूरों के काम के घंटे को भी 8 से बढ़कर 12 घण्टे किए जा रहे है, यूनियन बनाने के अधिकार को छीना जा रहा है, कर्मचारियों के हको का हनन किया जा रहा।

तोशाम में कर्मचारियों ने निकाला जुलूस

तोशाम में अखिल भारतीय किसान सभा, कृषक खेत मजदूर संघ, सर्व कर्मचारी संघ और ग्रामीण चौकीदार संघ के सैकड़ो कर्मचारी किसान मजदूर गुरुवार को हड़ताल पर रहे। इस दौरान उन्होंने तोशाम के शहीद पार्क में एकत्रित होकर प्रदर्शन किया और तोशाम में विरोध स्वरूप जुलूस निकाला। इस दौरान सभा की अध्यक्षता अखिल भारतीय किसान सभा के पूर्व मंच प्रधान मास्टर शेर सिंह, सर्व कर्मचारी संघ के ब्लॉक सचिव राजेश दुल्हेड़ी, कृषक खेत मजदूर संघ के मास्टर बस्तीराम और चौकीदार संघ के अर्जुन सिंह ने की। इस मौके पर किसान सभा के पूर्व प्रधान मास्टर शेर सिंह, ब्लॉक सचिव राजेश दुल्हेड़ी, कृषक खेत मजदूर संघ से मास्टर बस्तीराम, सचिव नरेंद्र आदि मौजूद रहे।

बवानीखेड़ा में कर्मचारियों ने जताया रोष

बवानी खेड़ा शहीद गुलाब सिंह पार्क में ऑल इंडिया की 10 प्रमुख ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर राष्ट्रव्यापी हड़ताल के तहत एक विशाल सभा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सर्व कर्मचारी संघ ब्लॉक बवानी खेड़ा, नगरपालिका कर्मचारी संघ बवानी खेड़ा, मिड डे मील वर्कर्स एवं किसान सभा के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभा की अध्यक्षता निम्न पदाधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से की गई जिसमें चाँद राम प्रधान, सर्व कर्मचारी संघ ब्लॉक बवानी खेड़ा, राजेश कुमार, किसान सभा, दिलबाग नगरपालिका कर्मचारी संघ बवानी खेड़ा, सपना, नगरपालिका कर्मचारी संघ बवानी खेड़ा, कार्यक्रम का सफल संचालन 'प्रधान अमित चैहान बिजली बोर्ड द्वारा किया गया।

एचएसईबी वर्कर्स यूनियन ने काली पट्टी बांधकर किया दो प्रदर्शन

भिवानी। राष्ट्रव्यापी हड़ताल को कर्मचारी हित में हरियाणा स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड वर्कर्स यूनियन मुख्यालय भिवानी संबंधित हरियाणा कर्मचारी महासंघ ने नैतिक समर्थन प्रदान किया। विरोध प्रदर्शन की अध्यक्षता यूनियन के सर्कल सचिव मनोज बल्लू बामला ने की। उक्त निर्णय के तहत यूनियन ने पूरे प्रदेश में बिजली निगमों की प्रत्येक सब-यूनिट/कार्यालय स्तर पर कर्मचारियों ने काली पट्टी लगाकर दो घंटे का शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन कर्मचारी हितों से जुड़े विभिन्न ज्वलंत मुद्दों, विशेषकर ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी, आरटीएस एक्ट, कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने, पुरानी पेंशन बहाली, रिस्क अलाउंस, निजीकरण पर रोक तथा केंद्र व राज्य स्तर पर लागू किए जा रहे कर्मचारी-विरोधी प्रावधानों के विरोध स्वरूप आयोजित किया। विरोध प्रदर्शन में सिटी यूनिट चेयरमैन रमेश यादव जेई, मोंटी कुमार सीए, सुरेंद्र एएफएम, सुदर्शन यादव, श्रवण कुमार, लालचंद जेई, अजीत जेई, कुलदीप जेई, पवन धनाना, संदीप शर्मा कैरू, परमानंद, लक्ष्यपाल जेई, राजबीर ढाणा जेई, विनय सांगवान, प्रदीप सुखपुरा, नरेंद्र, मनप्रीत, कपिल एएफएम, सुधीर लाइनमैन, बाला देवी, पूजा, बलवीर, सुदेश, रोहित आदि शामिल रहे।

- मांगों को लेकर नारेबाजी की, सरकार निजीकरण पर तुली : बल्लू

बहल में दिखाई दिया व्यापक असर

कर्मचारियों की राष्ट्रव्यापी हड़ताल का बहल कस्बे में व्यापक असर देखने को मिला। बिजली, शिक्षा सहित अन्य विभागों के कर्मचारी हड़ताल पर रहे जिससे इन विभागों की सेवाएं प्रभावित हुई। हालांकि, परिवहन विभाग की बसों का संचालन जारी रहने से लोगों को आवागमन में असुविधा नहीं हुई। कर्मचारियों ने बिजली घर से लेकर मैन बाजार तक प्रदर्शन किया । प्रदर्शन में राकेश, मीरसिंह, विजय सिंह, मुकेश कुमार, सतीश, चंद्रकला, मंजू, अंगूरी, सुमित्रा, सुशीला, सुलोचना, मूर्ति, राधा सरोज सहित अनेक कर्मचारियों ने भाग लिया।

बोर्ड कर्मचारियों ने निकाला जुलूस

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड कैंपस वीरवार को नारों और विरोध प्रदर्शन की गूंज से सराबोर रहा। विभिन्न ट्रेड यूनियनों के संयुक्त आह्वान पर हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड कर्मचारी संगठन-1016 (संबद्ध सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा) ने सरकार की नीतियों के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए एक दिवसीय सफल हड़ताल की। सभी बहादुर कर्मचारी, किसान और मजदूर संगठनों के साथ मिलकर नेहरू पार्क पहुंचे। यहां उन्होंने सरकार की दोगली नीतियों के खिलाफ एक विशाल जुलूस निकाला और जमकर नारेबाजी की। इस दौरान शिक्षा बोर्ड के कुल 206 कर्मचारियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर हड़ताल को सफल बनाया।

सरकार जानबूझकर मध्यम वर्ग को प्रताड़ित करने के लिए नए-नए काले कानून ला रही : डॉ. सुरेश

- वर्कशॉप में पिछले 20 साल से नहीं हुई भर्ती : रमेश लाम्बा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लोहारू

केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर गुरुवार को राष्ट्रव्यापी हड़ताल का लोहारू में मिलाजुला असर देखने को मिला। विभिन्न कर्मचारी संगठनों से अनेक कर्मचारी और किसान संगठनों के अनेक किसानों हड़ताल में हिस्सा लेते हुए बस स्टैंड के सामने बैठकर सरकार के खिलाफ धरना देकर नारेबाजी की। वहीं हरियाणा रोडवेज की बसों के संचालन पर हड़ताल का असर नहीं दिखाई दिया। सकसं के खंड प्रधान डॉ. सुरेश भारद्वाज ने कहा कि केंद्र सरकार जानबूझकर मध्यम वर्ग को प्रताड़ित करने के लिए नए-नए काले कानून ला रही हैं, ताकि सरकार की आलोचना करने वाले

समुदाय को अलग थलग कर सके। उन्होंने कहा कि हमारी नौकरियां, पेंशन, स्थानांतरण नीति, भर्ती प्रक्रिया और संगठन बनाने का अधिकार सीधे निशाने पर है। भाकियू नेता मेवा सिंह आर्य, पृथ्वी सिंह श्योराण, रामफल सिंह देशवाल, आजाद सिंह भूंगला, शेरसिंह झांझड़ा ने सरकार की किसान विरोधी नीतियों की जमकर आलोचना की। रोडवेज डिपो प्रधान रमेश लाम्बा व सचिव जैनपाल ने कहा कि हरियाणा में रोडवेज बेड़े में 10 हजार बसों की जरूरत है, जबकि मौजूदा समय में 4200 बसें रोड पर चल रही है। वर्कशॉप में पिछले 20 साल से भर्ती नहीं हुई है, जिससे बसों की मरम्मत समय पर नहीं हो रही है। इस मौके पर राममेहर, सुखदेव, अध्यापक संघ के सचिव अनिल, जगमंत, रजनेश सांगवान, राजबीर सिंघानी, मनोज कुड़ल, हरपाल, रोहताश, हवासिंह, विकास आदि आदि मौजूद रहे।

बाढ़ड़ा में कर्मचारियों, श्रमिकों ने मुख्य चौक पर रोष प्रदर्शन किया

बाढ़ड़ा। देशव्यापी हड़ताल से देशभर में केंद्रीय ट्रेड यूनियनों, निर्माण मजदूर ,सफाई कर्मचारी, मिड-डे मील ,आशा वर्कर, संगठनों के संयुक्त आह्वान पर आयोजित रोषमार्च की अध्यक्षता सीटू नेता सुरेश कुमार जेवली व सर्व कर्मचारी संघ खंड प्रधान प्रविंद्र श्योरण भांडवा ने की। सभी संगठनों ने कस्बे की अनाज मंडी में रोष रैली आयोजित कर मुख्य क्रांतिकारी चौक पर रोष प्रदर्शन किया। कस्बे के मुख्य चौक पर आयाजित रोष प्रदर्शन में मंच संचालन सीटू जिला सहसंयोजक सुमेर सिंह धारणी ने करते हुए कहा कि देशव्यापी आम हड़ताल को व्यापक समर्थन मिला। विभिन्न राज्यों में हजारों मजदूरों, कर्मचारियों, स्कीम वर्करों, किसानों, युवाओं और महिलाओं ने रैलियों, जुलूसों, धरनों और सभाओं के माध्यम से अपनी आवाज बुलंद की। हड़ताल का मुख्य उद्देश्य बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, श्रम कानूनों के कमजोर किए जाने, सार्वजनिक क्षेत्र के निजीकरण, ठेका प्रथा के विस्तार तथा सामाजिक सुरक्षा में कटौती के खिलाफ जनदबाव बनाना था। सीटू राज्य कोषाध्यक्ष कामरेड सुखबीर सिंह ने कहा कि कि मौजूदा आर्थिक नीतियों के कारण मेहनतकश वर्ग की आजीविका पर गंभीर संकट पैदा हो रहा है। पूरे देश में आयोजित प्रदर्शनों को संबोधित करते सर्व कर्मचारी संघ राज्य नेता मास्टर सुखदर्शन बिजली कर्मचारी नेता सुभाष द्वारका अध्यापक संघ के नेता विजेंद्र शास्त्री ने कहा कि निर्माण मजदूरों, पैा1ट्री वर्करों, कर्मचारियों, आंगनवाड़ी, आशा और मिड-डे मील कार्यकर्ताओं ने बड़ी सं या में भाग लिया व महंगाई, राशन, रोजगार, सुरक्षा और समान वेतन के मुद्दों को जोरदार तरीके से उठाया। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि लेबर कोड रद्द किया जाए, न्यूनतम वेतन को कानूनी दर्जा दिया जाए।

- मौजूदा आर्थिक नीतियों के कारण मेहनतकश वर्ग की आजीविका पर गंभीर संकट पैदा हो रहा : सुखबीर सिंह

सरकार किसान मजदूर, कर्मचारी व आम जनता विरोधी नीतियां थोप रही: ओमप्रकाश

- जो व्यापार समझोते हो रहे हैं वे हमारी खेती व व्यापार को बर्बाद कर देंगे : मास्टर वजीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

मार्क्सवादी कम्यूनिस्ट पार्टी जिला कमेटी ने केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर होने वाली राष्ट्रव्यापी हड़ताल में हड़ताली मजदूरों व कर्मचारियों के जुलूस में शामिल हुए। माकपा कार्यकर्ता प्रातः ठाकुर बीरसिंह पार्क में एकत्रित हुए तथा सभा की, जिसकी अध्यक्षता पार्टी जिला सचिव मंडल सदस्य करतार ग्रेवाल ने की। माकपा जिला सचिव कामरेड ओमप्रकाश व पार्टी जिला कमेटी सदस्य मास्टर वजीर सिंह ने कहा कि देश के स्तर पर मोदी सरकार किसान मजदूर, कर्मचारी व आम जनता विरोधी नीतियां थोप रही है। उन्होंने कहा कि परिणाम

स्वरूप किसान को न्यूनतम समर्थन मूल्य नहीं दे रही है, नया बीज विधेयक 2025 व बिजली निजिकरण विधेयक 2025 व नया मंडी कानून प्रारूप 2025 लाकर किसानों को बर्बाद कर रहे है। यूरोपियन यूनियन व अमेरिका से जो व्यापार समझोते हो रहे हैं , वे हमारी खेती व व्यापार को बर्बाद कर देंगे। मजदूरों के तमाम सुरक्षा कानून खत्म करके चार कोड थोप दिए, मनरेगा कानून समाप्त कर दिया, सार्वजनक क्षेत्र बैंक बीमा सहित तमाम क्षेत्रों का निजीकरण किया जा रहा तथा स्थायी पदों को समाप्त कर रहे हैं। प्रदर्शन में पार्टी नेता सज्जन कुमार सिंगला, रत्नकुमार जिंदल, निर्मल नाथूवास, नरेश शर्मा, महेंद्र तंवर,उपासना सिंह, बिमला घणघस, रामचन्द्र सैनी, अश्विनी मिताथल, राजकुमार दलाल, प्रताप सिंह सिंहमार, महाबीर फौजी, राजबीर कादियान, ओमप्रकाश दलाल आदि शामिल हुए।

हनुमान गेट बना हादसों का अड्डा, 10 फुट गहरा गड्ढा बना

भिवानी। पवन ठाकुर बसपा नेता ने कहा कि हनुमान गेट क्षेत्र में पब्लिक हेल्थ विभाग की घोर लापरवाही के कारण आम जनता की जान खतरे में डाल दी गई है। लगभग तीन महीने पहले विभाग द्वारा सड़क को खोदकर छोड़ दिया गया था, लेकिन आज तक उस गड्ढे को भरा नहीं गया। करीब 10 फुट गहरा यह गड्ढा अब मौत का गड्ढा बन चुका है। उन्होंने कहा कि रोजाना सैकड़ों राहगीर, स्कूली बच्चे, महिलाएं, बुजुर्ग और वाहन चालक इसी रास्ते से गुजरते हैं। रात के समय यह गड्ढा और भी अधिक खतरनाक हो जाता है। किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है, जिसकी पूरी जिम्मेदारी पब्लिक हेल्थ विभाग और संबंधित प्रशासन की होगी। पवन ठाकुर ने कड़े शब्दों में कहा कि विभाग ने गड्ढा खोदकर जनता को भगवान भरोसे छोड़ दिया है। बार-बार शिकायतों के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई, जो साफ तौर पर प्रशासनिक लापरवाही और जनता की जान से खिलवाड़ है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द से जल्द इस 10 फुट गहरे गड्ढे को भरकर सड़क की मरम्मत नहीं की गई तो क्षेत्र की जनता को साथ लेकर जोरदार आंदोलन किया जाएगा।

तीन महीने पहले पब्लिक हेल्थ विभाग ने खोदा था गड्ढा, नहीं किया बंद

19 विश्वविद्यालयों की फुटबॉल टीमें ले रही हैं भाग

फुटबॉल चैंपियनशिप: 4 टीमों ने लीग में प्रवेश किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रोफेसर दीप्ति धर्माणी की अध्यक्षता में गांव अलखपुरा में एआईयू एवं विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित महिला फुटबॉल चैंपियनशिप 2025 -26 में उत्तर क्षेत्र के सात राज्यों से 19 विश्वविद्यालयों की फुटबॉल टीमें अपनी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन रही थीं जिनमें से चार टीमों चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय भिवानी, गुरु नानक देव युनिवर्सिटी अमृतसर,गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय हिसार, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी फगवाड़ा ने लीग में प्रवेश किया है ।

रचैंपिनशिप के चौथे दिन बतौर मुख्य अतिथि एमडीयू रोहतक के युवा कल्याण विभाग के पूर्व निदेशक डॉ जगबीर राठी ने शिरकत की। उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय कर उनको प्रोत्साहित करते हुए कहा कि खेलों से आपसी प्रेम एवं एकता को बढ़ावा मिलता

है। उन्होंने विद्यार्थियों से जीवन में एक खेल जरूर अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने सेठ छाजूराम की धरती को नमन किया और गांव अलखपुरा को संस्कृति का प्रतीक बताया। उन्होंने क्लब की प्रशंसा की। विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो दीप्ति धर्माणी द्वारा ग्रामीण प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से गांव अलखपुरा में इतनी बड़ी चैंपियनशिप का आयोजन करने के निर्णय को सही बताते हुए इस निर्णय को सार्थक बताते हुए इसकी सराहना की। डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ सुरेश मालिक, क्लब प्रधान सुरेश कुमार,राजदीप सरपंच,संजय पूर्व सरपंच एवं ग्रामीणों ने विशिष्ट अतिथि एमडीयू रोहतक के पूर्व निदेशक युवा कल्याण विभाग डॉ जगबीर राठी , डॉ शमशेर अहलावत, दिल्ली से प्रशासनिक अधिकारी संजय यादव आदि का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा विवि : कुलपति

इस अवसर पर डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ सुरेश मालिक ने कहा कि अलखपुरा की महिला फुटबॉल खिलाड़ियों ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन किया है और इस गांव की बेटियां महिला फुटबॉल टीम में देश का नेतृत्व कर रही हैं । उन्होंने कहा कि कुलगुरु प्रो दीप्ति धर्माणी के कुशल दिशा निर्देशन में विश्वविद्यालय खेल,शिक्षा,अनुसंधान एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। डॉ शमशेर अहलावत ने किलाडियों को आत्मविश्वास से खेलने को प्रोत्साहित किया। डिप्टी डीईओ शिव कुमार ने भी खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। अलखपुरा ग्रामीणों ने फुटबॉल मैदान के निर्माण में सहयोग देने वाले इंजीनियर स्व. अतुल संधू के योगदान को याद किया और उनके पिता राज सिंह संधू एवं ओमप्रकाश संधू परिजनों का पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय भिवानी, गुरु नानक देव युनिवर्सिटी अमृतसर,गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय हिसार, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी फगवाड़ा ने लीग में प्रवेश किया।

धोखाधड़ी से लोन करवाने का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

भिवानी। भिवानी पुलिस ने चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी से 1 करोड़ 58 लाख 60 हजार रुपये का फर्जी तरीके से लोन करवाने के मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। जानकारी के अनुसार चोलामंडलम शाखा भिवानी के लीगल मैनेजर वीरेंद्र सिंह द्वारा थाना शहर भिवानी में शिकायत दर्ज करवाई गई थी। शिकायत में बताया गया कि मनोज व संदीप निवासी गांव जड़वा, तहसील सतनाली जिला महेंद्रगढ़ ने अपनी कृषि भूमि को व्यावसायिक भूमि दर्शाते हुए, सतनाली क्षेत्र की दुकानों की फर्जी फोटो एवं जाली रिपोर्ट तैयार कर कंपनी से धोखाधड़ी पूर्वक 1 करोड़ 58 लाख 60 हजार रुपये का लोन प्राप्त किया। इसी मामले में पुलिस अधीक्षक के निर्देशों पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए इन्वेस्टिगेशन विंग-4 की टीम ने मामले की गहन जांच की। 10 फरवरी 2026 को एएसआई सुरेंद्र सिंह के नेतृत्व में टीम ने मुख्य आरोपी को नारनौल क्षेत्र से गिरफ्तार किया।

आरोपी की पहचान बलजीत पुत्र शेर सिंह निवासी शेखपुरा जिला नारनौल के रूप में हुई है। आरोपी ने बताया कि वह वेंडर का कार्य करता है।

चोलामंडलम शाखा भिवानी के लीगल मैनेजर वीरेंद्र सिंह ने दर्ज करवाया मामला

स्पेशल: वर्ल्ड रेडियो-डे

ज्ञान-विज्ञान-मनोरंजन का खजाना

रेडियो का सफर है बहुत सुहाना

बच्चो, एक समय था, जब घर-घर में लोग रेडियो सुनते थे। रेडियो के माध्यम से देश-विदेश के समाचार मिलते थे। ज्ञान-विज्ञान का खजाना होता था रेडियो। मनोरंजन का एक बहुत बड़ा साधन था रेडियो। आज भी लोग रेडियो सुनते हैं, इसका अपना एक अलग महत्व है। रेडियो की शुरुआत कैसे हुई, तुम्हारे लिए इससे जुड़ी कुछ जानकारियां।

जानकारी
शिखर चंद जैन

बच्चो, तुमने घर में अपने दादा जी को बड़े ध्यान से रेडियो सुनते देखा होगा। यही नहीं तुम भी कार या कैब में एफएम रेडियो पर सुरीले गीत और मनोरंजक कार्यक्रम सुनते होगे। तुम्हारे मन में कभी-कभी यह सवाल आता होगा, रेडियो की शुरुआत कैसे और कब हुई? यह कैसे इतना लोकप्रिय हो गया? आज विश्व रेडियो दिवस (13 फरवरी) के अवसर पर जानो, रेडियो से जुड़ी कुछ रोचक बातें।

संचार का सशक्त माध्यम: बच्चो, रेडियो सिर्फ एक मशीन नहीं, बल्कि एक ऐसा दोस्त है, जो बिना चेहरा दिखाए हमें दुनिया से जोड़े रखता है। हर साल 13 फरवरी को दुनिया भर में विश्व रेडियो दिवस मनाया जाता है, ताकि संचार के इस पुराने सशक्त माध्यम के महत्व को समझा और सराहा जा सके।

स्वतंत्रता आंदोलन का साथी रेडियो: बच्चो, भारत की आजादी की लड़ाई में रेडियो का बड़ा योगदान रहा है। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान रेडियो ने स्वतंत्रता सेनानियों के संदेश प्रसारित कर आम नागरिकों को जागरूक किया था। 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में उषा मेहता के 'कांग्रेस रेडियो' और नेताजी सुभाष चंद्र बोस के 'आजाद हिंद रेडियो' जैसे प्रयासों ने जन-जागरण में अहम भूमिका निभाई थी। नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने जर्मनी से और बाद में सिंगापुर/रंगून से रेडियो के जरिए ही देशवासियों को आजादी की लड़ाई के लिए प्रेरित किया, साथ ही स्वतंत्रता संघर्ष को नई दिशा दी। रेडियो ने गांवों तक आजादी के संघर्ष की खबरें पहुंचाईं, जिससे देश भर में एकजुटता बढ़ी। बच्चो, जरा सोचो रेडियो बिना लाखों लोगों तक हमारे स्वतंत्रता सेनानियों की आवाज भला कैसे पहुंचती?

ज्ञान के प्रसार में सहायक: आजादी के बाद रेडियो ने साक्षरता, स्वास्थ्य, जागरूकता और कृषि ज्ञान के प्रसार में बड़ी भूमिका निभाई। यह दूर-दराज के गांवों, पहाड़ी इलाकों और रेगिस्तानी क्षेत्रों में भी स्थानीय भाषाओं में समाचार और मनोरंजन प्रसारित करने वाला सबसे प्रभावी माध्यम बना। स्वतंत्रता की घोषणा से लेकर, महात्मा गांधी, पंडित नेहरू के भाषण और ऐतिहासिक पलों की कमेंट्री रेडियो ने ही घर-घर में पहुंचाई।

संकटमोचन की भूमिका में रेडियो: बच्चो, प्राकृतिक आपदाओं जैसे बाढ़, चक्रवात आदि के समय जब अन्य संचार साधन ठप हो जाते हैं, तब रेडियो ही दूर-दराज में रहने वाले देशवासियों को जरूरी सूचनाएं देता है। वर्तमान समय में आकाशवाणी और एफएम चैनलों के माध्यम से प्रधानमंत्री की 'मन की बात' जैसे कार्यक्रमों के जरिए रेडियो देश के हर तबके तक जुड़ा हुआ है।

कुछ रोचक तथ्य

दुनिया का पहला रेडियो स्टेशन: बच्चो, दुनिया का पहला व्यावसायिक रेडियो स्टेशन 1920 में अमेरिका में शुरू हुआ था, जबकि भारत में बड़े स्तर पर रेडियो प्रसारण 23 जुलाई 1927 को मुंबई से शुरू हुआ था।

पहली सिग्नेचर धुन: ऑल इंडिया रेडियो की मशहूर धुन किसी भारतीय ने नहीं बल्कि एक यहूदी शरणार्थी वाल्टर कॉफमैन ने बनाई थी, जो आज भी ऑल इंडिया रेडियो की पहचान है।

रेडियो सुनने के लिए लाइसेंस: आज लोग भले ही कभी भी कहीं भी रेडियो सुन सकते हैं, लेकिन 1920 के दशक में भारत में रेडियो सुनने के लिए बाकायदा लाइसेंस लेना पड़ता था। 1927 में अपने देश में रेडियो लाइसेंस धारकों की संख्या मात्र 3,594 थी।

रेडियो के विकास में भारत का योगदान: वैसे तो पहला व्यावहारिक रेडियो 1895 में गुग्लिएल्मो मार्कोनी द्वारा बनाया गया था, लेकिन भारतीय वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बसु ने 1895 में बिना तार के सिग्नल भेजने का प्रदर्शन कर दिया था। भारत में पहला रेडियो प्रसारण जून 1923 में बॉम्बे रेडियो क्लब द्वारा किया गया था। अपने देश का ऑल इंडिया रेडियो 99 प्रतिशत जनसंख्या तक पहुंच के साथ दुनिया के सबसे बड़े प्रसारकों में से एक है।

जगदीश चंद्र बसु

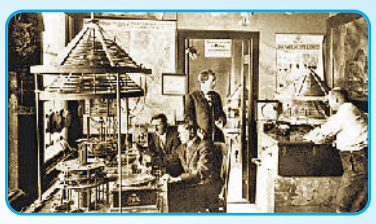

जमीन से लेकर अंतरिक्ष तक रेडियो: बच्चो, रेडियो तरंगें अंतहीन होती हैं। यदि इन्हें कोई अवशोषित नहीं करता है तो ये अनंत काल तक यात्रा कर सकती हैं। रेडियो बिजली के बिना भी काम करता है। पुराने ट्रांजिस्टर (रेडियो) बैटरी या सेल से चलते थे। रेडियो तरंगें न केवल ध्वनि, बल्कि खगोलीय पिंडों (ग्रहों, तारों) से भी उत्सर्जित होती हैं, जिनका अध्ययन रेडियो टेलीस्कोप से किया जाता है।

भारत में आकाशवाणी: ऑल इंडिया रेडियो को 1957 में आधिकारिक तौर पर 'आकाशवाणी' का नाम दिया गया। 14-15 अगस्त 1947 की मध्यरात्रि को नेहरू जी का भाषण ऑल इंडिया रेडियो से ही प्रसारित हुआ था। मां दुर्गा की लोकप्रिय 'महिषासुर मोर्दिनी' (महालया) भारत के सबसे पुराने रेडियो कार्यक्रमों में से एक है, जो 1931 से प्रसारित हो रहा है। *

बहुत अनोखी झील है ब्लैक सी

बच्चो, दक्षिण-पूर्व यूरोप और पश्चिमी एशिया के बीच स्थित ब्लैक सी, कई मायने में सामान्य झीलों से अलग है। ब्लैक सी के निर्माण और इसकी कुछ विशेषताओं के बारे में तुम भी जानो।

यह भी जानो
नयनतारा

बच्चो, ब्लैक सी यानी काला सागर, वास्तव में कोई समुद्र नहीं बल्कि एक विशाल झील है। यह चारों तरफ से जमीन से घिरी हुई है। यह दक्षिण पूर्वी यूरोप और पश्चिमी एशिया के बीच स्थित है। ब्लैक सी के तट छह देशों की सीमाओं को स्पर्श करते हैं। ये देश हैं- यूक्रेन, रूस, जॉर्जिया, तुर्की, बुल्गारिया और रोमानिया।

संसार का सबसे बड़ा मेरोमिक्टिक बेसिन: भौतिक दृष्टि से ब्लैक सी संसार का सबसे बड़ा मेरोमिक्टिक बेसिन है। 'मेरोमिक्टिक' का अर्थ यह है कि इसका गहरा पानी अनॉक्सिक है यानी उसमें ऑक्सीजन का अभाव है। इस कारण उसका गहरा पानी, ऊपरी परत के ऑक्सीजन युक्त पानी में मिश्रित नहीं होता है। पानी में ऑक्सीजन न होने की वजह से यह 'डेड जोन' बन जाता है, जिसमें 150 मीटर के नीचे कोई समुद्री जंतु या पौधा जीवित नहीं रह पाता है।

इसलिए कहते हैं ब्लैक सी: बच्चो, तुम्हारे मन में सवाल उठता होगा कि इस झील को ब्लैक सी क्यों कहते हैं? दरअसल, अधिक ठंड के मौसम में ब्लैक सी में तेज तूफान उठता है, जिससे वह काले रंग के खतरनाक जल प्रवाह के रूप में दिखता है, इसीलिए इस झील को 'ब्लैक सी' नाम से जाना जाता है। इसके अतिरिक्त, प्राचीन समय में तुर्की देश के नाविक उत्तर दिशा (जहां यह सागर स्थित है) को अपने कलर-कोडेड दिशा सूचक व्यवस्था में 'ब्लैक' कलर से प्रदर्शित करते थे, इसलिए भी इसे 'ब्लैक सी' कहा जाता है।

ऐसे हुआ ब्लैक सी का निर्माण: भू-वैज्ञानिकों का मानना है कि ब्लैक सी लगभग 7,500 साल पहले बनी, जब मेडिटेरेनियन यानी भूमध्य सागर में जबर्दस्त उफान आया और उसका विशाल जल प्रवाह बोस्फोरस स्ट्रेट (तुर्की के इस्तांबुल शहर में स्थित एक स्थल) को पार कर एक ताजा पानी की झील में पहुंच गया। इस प्रकार इस अनोखी झील, ब्लैक सी का निर्माण हुआ। *

ब्लैक सी से जुड़े कुछ अन्य तथ्य

ब्लैक सी के गहरे पानी में चूंकि ऑक्सीजन नहीं है इसलिए उसमें मौजूद कोई भी लकड़ी हजारों साल तक गलती नहीं है। यही वजह है कि करीब 2,000 साल पहले इसमें डूबे पानी के जहाजों की लकड़ियां आज भी मौजूद हैं। इस सागर में लहरें नहीं उठती हैं, पानी किसी झील या तालाब की तरह शांत रहता है। नीचे का खारा पानी और ऊपर का ताजा पानी आपस में मिलते नहीं हैं। ऐसा लगता है जैसे दो अलग सागर एक-दूसरे के करीब हों।

कविता / सूर्यकुमार पांडेय

दांत बन गए नेल कटर

अटर-पटर चटर-पटर,
गेहूं, चावल, दाल, मटर,
फल, मेवे, गुड़ और शक्कर,
चूहे खाते कुतर-कुतर।
झटपट वे बिल के अंदर,
चटपट आ जाते बाहर।
रोटी, बिस्कुट, ब्रेड, बटर,
चूहे खाते कुतर-कुतर।
खाते प्लास्टिक की चेयर,
नरम पुराने फर्नीचर,
प्लास्टिक के पाइप, वायर,
चूहे खाते कुतर-कुतर।
तकिया, गद्दे और चादर,
कोट, शर्ट, ऊनी स्वेटर,
काट रहे पेपर-वेपर,
चूहे खाते कुतर-कुतर।
बड़े चटोरे, बड़े जबर,
मूंगफली, अखरोट कुतर,
दांत बन गए नेल कटर,
चूहे खाते कुतर-कुतर।

बूझो तो जानें

1 गुजर सके हर एक वस्तु से
पर नजरों से गुम,
कहो कौन-सी किरणें है ये
जल्दी बूझो तुम।

2 एक मशीन इलेक्ट्रॉनिक है
बिजली से है चलता,
चित्र खींचता, खेल खिलाता
गणनाएं भी करता।।

3 चाहे हों ये दाएं-बाएं
अथवा ऊपर-नीचे,
लोहे की चीजों को झटपट
पलक झपकते खींचे।।

-डॉ. घमंडीलाल अग्रवाल

उत्तर : 1.एक्स-रे, 2.कंप्यूटर, 3.चुंबक

जीके क्विज-192

1. भारतीय टीम ने किस देश की टीम को हराकर अंडर-19 क्रिकेट वर्ल्ड कप जीता?
2. 'हैरी पॉटर' किसकी रचना है?
3. भारत के वर्तमान रेलमंत्री कौन हैं?
4. रामकृष्ण मिशन की स्थापना किसने की थी?
5. मानव शरीर की सबसे छोटी अस्थि (बोन) का नाम क्या है?
6. गुरुत्वाकर्षण की खोज किस वैज्ञानिक ने की थी?
7. भारत के पहले फील्ड मार्शल कौन थे?
8. सौरमंडल के किस ग्रह को 'लाल ग्रह' भी कहा जाता है?
9. नमक का रासायनिक नाम क्या है?
10. हाइड्रोजन की खोज किसने की थी?

बच्चो, जीके क्विज-192 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-191 का उत्तर: 1.निर्मला सीतारमण, 2.कलिंगा लांसर्स, 3.सुभाष चंद्र बोस, 4.पीवी सिंधु, 5.साइरस, 6.अजमेर और दिल्ली, 7.आर.के. षणमुखम चेट्टी, 8.बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय, 9. प्लेटिनम, 10.ओडिशा

जीके क्विज-191 का सही उत्तर देने वाले: सतीश-रायपुर, आरसी-कोरबा, आदित्य-मुंगेली, श्रेया-गैसाबाद, कबीर-हिसार, विशाल-रोहतक, राजेश-रायपुर, पंकज-बिलासपुर, पल्लवी-बलौदा बाजार, हर्षित-महासमुंद, चंदन-रायगढ़

कहानी
हरीश कुमार अमित

परीक्षाएं क्या पास आईं, शशांक खेलना-कूदना बंद करके दिन-रात पढ़ाई में जुट गया। उसके दादा जी को इस तरह हमेशा पढ़ाई करते रहना सही नहीं लगा। एक दिन दादा जी ने शशांक को जो बातें समझाईं, अच्छे नंबर लाने के लिए, ये बातें हर बच्चे को जाननी चाहिए, तुम भी जानो।

परीक्षा का तनाव

परीक्षा करीब आने से शशांक बड़े तनाव में था। कुछ दिनों बाद ही उसकी वार्षिक परीक्षाएं, जो शुरू होने वाली थीं। परीक्षा की तैयारी के लिए उसके स्कूल में छुट्टियां घोषित कर दी गई थीं। शशांक पढ़ने में होशियार था। हमेशा अच्छे अंक लाता था। उसके तनाव का कारण यह डर था कि कहीं इस बार उसके अंक कम न आ जाएं। परीक्षा में अच्छे अंक लाने के लिए वह सारा दिन पढ़ाई करता रहता। ज्यादा पढ़ाई करने के लिए उसने अपनी नींद भी कुछ कम कर दी थी।

एक दिन दोपहर के समय शशांक पढ़ाई कर रहा था कि तभी उसके होम टाऊन से दादा जी आ गए। साल में एक-दो बार वह कुछ दिनों के लिए शशांक के पास जरूर आ जाया करते हैं। दादा जी का साथ उसे बहुत भाता है। उनसे शशांक का दोस्त जैसा रिश्ता है।

शाम को दादा जी पार्क में सैर करने के लिए जाने लगे तो उन्होंने शशांक से पूछा, 'बेटा, क्या आज तुम्हें अपने दोस्तों के साथ खेलने नहीं जाना?'

'नहीं दादा जी, मुझे परीक्षा की तैयारी करनी है न, इसलिए इन दिनों शाम को दोस्तों के साथ खेलने के लिए नहीं जा रहा हूं।'

दादा जी सैर करके वापस आए, तो उन्होंने देखा कि शशांक अब भी अपनी किताब लिए बैठा है। यह देखकर उन्होंने हैरानी से पूछा, 'अरे बेटा, क्या बात है? तुम शाम को टीवी नहीं देख रहे? तुम तो शाम को टीवी देखा करते थे।'

'दादा जी, परीक्षाएं आने वाली हैं न, इसलिए इन दिनों टीवी देखना भी बंद है।' शशांक का जवाब सुनकर दादा जी चुप रहे, कुछ बोले नहीं। रात का खाना खाने के बाद दादा जी घर में ही थोड़ी देर टहलते जरूर हैं। उन्होंने शशांक को भी अपने साथ टहलने के लिए कहा, लेकिन उसने यह कहते हुए टहलने से मना कर दिया कि पढ़ाई करनी है, परीक्षाएं करीब हैं।

दादा जी हमेशा शशांक के कमरे में ही सोते हैं। रात को शशांक काफी देर बिस्तर पर ही बैठकर पढ़ाई करता रहा और फिर पढ़ते-पढ़ते ही सो गया। आधी रात को जब दादा जी की नींद खुली तो उन्होंने उठकर ट्यूबलाइट बंद की।

एआई इमेज

शशांक ने सुबह पांच बजे उठकर पढ़ने के लिए अलार्म लगाया हुआ था। सुबह जब अलार्म बजा तो वह बड़ी मुश्किल से उठ पाया। उसकी आंखों में नींद भरी थी। रात को देर से सोने के कारण वह ठीक तरह से पढ़ नहीं पा रहा था। बीच-बीच में उसे झपकी आ जाती।

छह बजे सैर करने जाते समय दादा जी ने शशांक से कहा कि वह भी थोड़ी देर सैर करने चले, लेकिन वह बोला, 'दादा जी, अब मुझे नींद आ रही है। मैं थोड़ी देर सोऊंगा।' दादा जी सैर करके घर वापस आए तब भी शशांक सो रहा था। वह तभी उठा जब मम्मी ने उससे कहा कि वह नाश्ता बनाने जा रही हैं, अब वह उठ जाए।

नाश्ता करने के बाद दादा जी ने शशांक को अपने पास बुलाया और बोले, 'बेटा, तुम परीक्षा की तैयारी के लिए मेहनत तो बहुत कर रहे हो, लेकिन अगर तुम कुछ बातों का ध्यान रखोगे तो इससे तुम्हें दो फायदे होंगे। एक तो तुम्हारी तैयारी और बढ़िया होगी और दूसरा, तुम्हें जो यह परीक्षा का डर सता रहा है, वह भी कम हो जाएगा।'

शशांक बड़े ध्यान से दादा जी की बात सुन रहा था। दादा जी आगे बोले, 'देखो बेटा, एक तो सारा दिन किताबें लेकर बैठने की बजाय बीच-बीच में थोड़ा ब्रेक ले लिया करो। थोड़ी देर दोस्तों के साथ खेलो, थोड़ी देर टीवी देखो, थोड़ी देर घर के लोगों से बातचीत करो। इसके अलावा इन दिनों अपनी नींद में भी कमी करने की जरूरत बिल्कुल नहीं है। पूरी नींद लो।'

'जी, दादा जी।' शशांक ने हामी भरी। 'इन बातों का ध्यान रखोगे तो इससे तुम्हारा दिमाग तरोताजा रहेगा, याद भी अच्छी तरह होगा और परीक्षा की ओर अच्छी तैयारी कर पाओगे। परीक्षा का डर भी तुम्हें कम लगेगा।' दादा जी ने शशांक को समझाया।

'मैं समझ गया, दादा जी।' शशांक कहने लगा। दादा जी की इन बातों का पालन शशांक ने उसी दिन से करना शुरू कर दिया। परीक्षाओं से लगने वाला उसका डर-तनाव कम हो गया था। अब वह शांत मन से और अच्छी तरह पढ़ाई कर पा रहा था।

कुछ दिनों बाद जब उसका परीक्षा परिणाम आया, तो उसके अंक उसकी उम्मीद से बहुत ज्यादा अच्छे थे। *

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

समझदारी सिखाती प्यारी कहानियां

बच्चो, अभी कुछ समय पहले ही एक बालकथा संग्रह 'दिन में सौ चांद' छपकर आया है। इसमें कुल पंद्रह कहानियां हैं। इनमें से अधिकतर कहानियों के पात्र पशु-पक्षी हैं। इन कहानियों को पढ़कर तुम्हारा मनोरंजन तो होगा ही, इनसे तुम्हारे भीतर समझदारी भी विकसित होगी।

'दिन में सौ चांद' कहानी में तुम पढ़ोगे कि किस तरह चतुर खरगोश, शेर को दिन में सौ चांद दिखाकर अपनी बात सही साबित कर देता है। सोनू, मोनू बकरियों और जंगू भेड़िए की कहानी 'सोनू की चालाकी' पढ़कर तुम सीख सकते हो कि अगर मुसीबत में भी धीरज और बुद्धि से काम लिया जाए तो मुसीबत से पार पाया जा सकता है। कुछ पक्षियों और एक सांप की कहानी 'हम अच्छे बने रहेंगे' यह सिखाती है कि अगर कोई हमारे साथ अच्छा व्यवहार न करे तो भी हमें अपना व्यवहार अच्छा ही रखना चाहिए। हमारा रूप-रंग कितना भी अच्छा क्यों न हो अगर हम परिश्रम नहीं करेंगे तो हमारा सम्मान नहीं होगा, यह सीख 'मेहनत का सम्मान' कहानी देती है। एक मछली और एक चिड़िया की दोस्ती की प्यारी सी कहानी है 'सोनचिड़ी और सोन मछली', जिसमें तुम पढ़ोगे कि सच्चा दोस्त वही होता है, जो मुसीबत में अपने दोस्त का साथ नहीं छोड़ता। इसी तरह 'सवाल का बवाल' कहानी पढ़कर तुम अपनी हंसी नहीं रोक पाओगे। कई रंगों की कहानियों से सजी यह किताब तुमको जरूर पसंद आएगी। *

किताब: दिन में सौ चांद (कहानी संग्रह), **लेखक:** गोविंद शर्मा, **मूल्य:** 175 रुपए, **प्रकाशक:** साहित्यागार, जयपुर

अंतर बताओ

बच्चो, यहां पपी हाउस के बाहर बैठे एक क्यूट से पपी के दो चित्र दिए हैं। एक जैसे दिखने वाले इन चित्रों में पांच अंतर हैं। तुम तीन मिनट में सभी पांच अंतर ढूंढ कर बताओ।

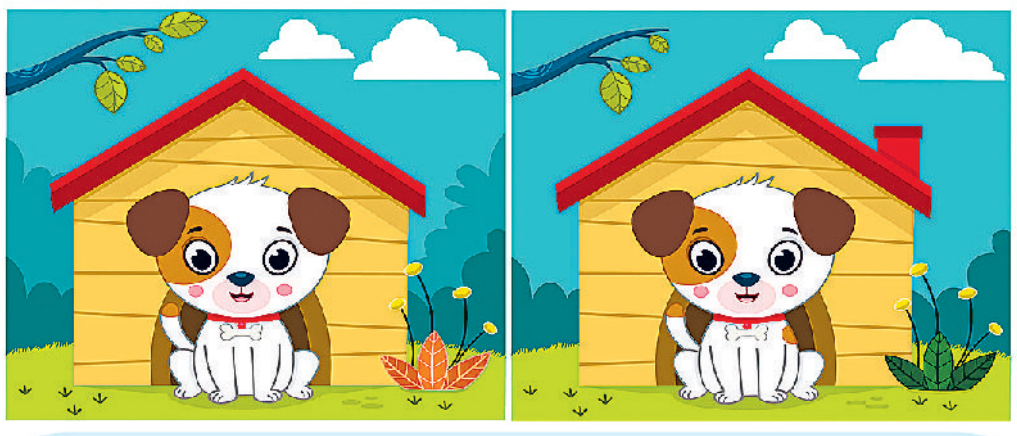

उत्तर: 1.पपी हाउस के ऊपर बाईं तरफ पेड़ की टहनी में एक पत्ती कम है। 2.पीछे बाईं तरफ शैडो कम दिख रही है। 3.पपी के बाएं पैर के ऊपर ब्राउन स्पॉट है। 4.पपी हाऊस में ऊपर दाईं तरफ चिमनी बनी हुई है। 5.नीचे दाईं तरफ पत्तियों का रंग अलग है।

रास्ता बताओ

बच्चो, यहां दिए गए चित्र में हिरण के एक भूखे बच्चे को घास तक पहुंचना है। लेकिन वहां तक पहुंचने का रास्ता जरा टेढ़ा-मेढ़ा है। तुम हिरण के बच्चे को घास तक पहुंचने का सही रास्ता बताओ, ताकि वह घास खाकर अपनी भूख मिटा सके।

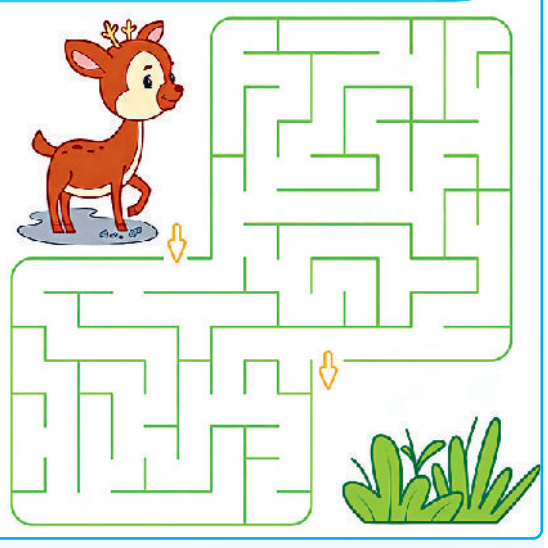

खबर संक्षेप

शिविर में 74 युवाओं ने किया रक्तदान

भिवानी। समाज सुधारक एवं आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानंद सरस्वती की जयंती पर वीरवार को दिनोद रोड स्थित सहारा चैरिटेबल ट्रस्ट ने रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर में क्षेत्र के युवाओं ने बढ़-चढकर भागीदारी की और मानवता की सेवा के लिए रक्तदान किया। इस दौरान 74 लोगों ने रक्तदान किया। रक्तदान शिविर का आयोजन एम्स बाढ़सा के वरिष्ठ चिकित्सक सौरभ की अगुवाई में किया। डॉक्टरों की टीम ने रक्तदाताओं की जांच की और सुरक्षित रक्तदान सुनिश्चित किया।

गायन से बच्चों में किया नवचेतना का संचार

भिवानी। शहीद रमेश कुमार राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लोहानी में भारतीय संस्कृति और मूल्यों का महत्व विषय पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें प्रवक्ता कविता ने बतौर मुख्य वक्ता शिरकत की। कार्यक्रम में कविता ने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति को अपनाने, माता-पिता और गुरुजनों का सम्मान करने, सोशल मीडिया से दूर रहने और पश्चिमी सभ्यता की बुराइयों से दूर रहने के लिए विचारों, भजनों एवं गायन से बच्चों में नवचेतना का संचार किया। प्राचार्य भगत सिंह ने प्रवक्ता कविता की बातों और उनके द्वारा विद्यार्थी हित में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे पात्र व्यक्तिः सीईओ

भिवानी। डीसी साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन में वीरवार को लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए हॉल में जिला परिषद के सीईओ अजय चौपड़ा ने समाधान शिविर में जनसमस्याएं सुनी। जिला परिषद सीईओ ने निर्देश दिए कि किसी भी योजना का कोई भी पात्र व्यक्ति लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक समस्या का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने किया ऑनलाइन उद्घाटन

चरखी दादरी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने चंडीगढ़ से दादरी में डे-केयर कैंसर सेंटर का वर्चुअल उद्घाटन किया। इसमें दादरी का जिला नागरिक अस्पताल भी शामिल है। उपायुक्त डॉ मुनीश ने स्थानीय स्तर पर उद्घाटन की औपचारिक्ताएं पूरी की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कैंसर हरियाणा ही नहीं बल्कि पूरे देश में एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बनकर उभरा है। इसका इलाज काफी महंगा है, ऐसे में आमजन को ध्यान में रखते हुए कैंसर रोगियों के लिए सेंटर खोले गए है।

पीएमएफएमई योजना के लिए करें आवेदन

चरखी दादरी। उपायुक्त ने बताया कि सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों के विकास एवं सुदृढ़ीकरण के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के अंतर्गत विशेष पहल की जा रही है। इस योजना के तहत इच्छुक लाभार्थी अपने नए अथवा मौजूदा सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम की स्थापना, विस्तार एवं उन्नयन के लिए आवेदन कर सकते हैं। सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा देने में पीएमएफएमई योजना कारगर साबित हो रही है।

इसी दिन ब्रह्मांड के स्वामी भगवान शिव और आदिशक्ति मां पार्वती का हुआ था दिव्य मिलन

'निशिता काल' में प्रकट हुए थे ज्योतिर्लिंग

महादेव के भक्तों के लिए अबकी बार 15 फरवरी बेहद खासः पंडित रामकिशन

विष्णुदत्त शास्त्री ⏭ तोशाम

महादेव के भक्तों के लिए अबकी बार 15 फरवरी की तारीख बेहद खास होने वाली है। यह जानकारी देते हुए तोशाम के दक्षिणमुखी संकटमोचन मेहंदीपुर बालाजी दरबार के महंत पंडित रामकिशन महाराज ने बताया कि अबकी बार 15 फरवरी सिर्फ एक कैलेंडर की तारीख नहीं, बल्कि महाशिवरात्रि के रूप में वह महान निशा है जब ब्रह्मांड के स्वामी भगवान शिव और आदिशक्ति मां पार्वती का दिव्य मिलन हुआ था। उन्होंने बताया कि फाल्गुन मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को आने वाली इस महाशिवरात्रि पर ग्रहों का ऐसा दुर्लभ संयोग बन रहा है, जो आपके जीवन के सारे संकट हरने की शक्ति रखता है।

4 प्रहर की पूजा, पापों से मुक्ति का गुप्त मंत्र...

पंडित रामकिशन

पंडित रामकिशन ने बताया कि महाशिवरात्रि पर रात के चार प्रहर की पूजा का विशेष महत्व है। शाम से शुरू होकर अगले दिन ब्रह्म मुहूर्त तक चलने वाली इस पूजा के हर चरण का अपना वैज्ञानिक और आध्यात्मिक लाभ है। प्रथम प्रहर शाम 06:11 से रात 09:23 तक शिवलिंग पर दूध और बेलपत्र अर्पित करने से शारीरिक आरोग्य और शांति मिलेगी। द्वितीय प्रहर रात 09:23 से मध्यरात्रि 12:35 तक शिवलिंग को दही अर्पित करने से शत्रुओं पर विजय और बाधा मुक्ति मिलेगी। तृतीय प्रहर रात 12:35 से तड़के 03:47 तक शिवलिंग को घी अर्पित करने से स्पष्ट सोच और ज्ञान की प्राप्ति होगी। चतुर्थ प्रहर तड़के 03:47 से सुबह 06:59 तक शिवलिंग को शहद अर्पित करने से मोक्ष और आध्यात्मिक की प्राप्ति होगी। पंडित रामकिशन महाराज ने बताया कि पूर्णतः 15 फरवरी की रात 12:09 बजे से 01:01 बजे के बीच 'निशिता काल' का समय सबसे शक्तिशाली है। माना जाता है कि इसी समय शिव ज्योतिर्लिंग के रूप में प्रकट हुए थे। उन्होंने बताया कि कुंडली के दोषों का भी अंत होगा, अगर किसी की कुंडली में चंद्र दोष है या मानसिक तनाव से जूझ रहा है, तो यह रात उनके लिए वरदान है। इसके अलावा जिस पर शनि की साढ़ेसाती चल रही है उनके लिए भी लाभकारी है। क्योंकि महादेव 'कालों के काल' हैं, उनकी आराधना से शनि का प्रकोप शांत होता है।

महाशिवरात्रि पर करें यह विशेष उपाय

पंडित रामकिशन का कहना था कि महाशिवरात्रि पर्व पर शिवजी का पूजन-अर्चन, व्रत से अनिष्ट ग्रहों की शांति सहज ही सरल रूप में होती है, इस दिन विधि-विधान से किए गए दान पुण्य, शिवलिंग की पूजा, स्थापना का विशेष फल प्राप्त होता है। इस विशेष उपाय को करने से कालसर्प योग की शांति के साथ-साथ प्रतिकूल ग्रहदशा द्वारा उत्पन्न सभी कष्ट दूर हो जाते हैं। शिवरात्रि पर शिवजी का पूजन-अर्चन, व्रत से अनिष्ट ग्रहों की शांति सहज ही सरल रूप में होती है। जन्मकुण्डली में अगर कालसर्पदोष विद्यमान हो, अथवा राहु-केतु की महादशा अथवा अन्तर्दशा पीड़ा दे रही हो, या फिर शनि की साढ़ेसाती अथवा ढैय्या कष्टकारी हो तो महाशिवरात्रि के दिन शिवजी का पूजन, व्रत विशेष राहत दिलाता है। शिवजी की पूजा सौभाग्य में वृद्धि, विवाह, संतान प्राप्ति, धन प्राप्ति आदि अनेक प्रयोजन से की जाती है। उन्होंने बताया कि मनचाहा वर प्राप्त करने के लिए, धन प्राप्ति के लिए शिव ताण्डव स्तोत्र का पाठ शिवरात्रि के दिन अवश्य करना चाहिए। शिवरात्रि के दिन शिव-पार्वती की पूजा करने से विवाह योग्य कन्याओं को मनचाहा वर प्राप्त होता है।

स्वयंसेविकाओं को मानसिक रूप से मजबूत रहने की दी प्रेरणा

भिवानी। राजीव गांधी राजकीय महिला महाविद्यालय में सात दिवसीय शिविर के छठा दिन का आयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रेणुबाला व डॉ. मंजू दिसोदिया के मार्गदर्शन में हुआ। कार्यक्रम में एनएसएस की ईकाई 1 व 2 की 100 स्वयंसेविकाओ ने भाग लिया। एनएसएस कार्यक्रम ऑफिसर रेणुबाला एवं मंजू ने स्वयंसेविकाओं के साथ मुख्यतिथि प्रोफेसर अनीता बिबियान एवं मोनिका, सीमा, अजीत कुमार, शर्मिला, डॉ. राजेश कुमार, ज्योति, मीनाक्षी अतिथियों का स्वागत किया। बिबियान ने महिलाओं को आर्थिक, मानसिक, शैक्षणिक, सामाजिक, राजनीतिक रूप से सशक्त रहने की प्रेरणा दी।

सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधिमंडल ने की मंत्री से मुलाकात

केंद्रीय मत्री ने मांगों को जल्द पूरा करवाने का दिलाया भरोसा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

हरियाणा जागृति मोर्चा, किसान संघर्ष समिति, अम्बेडर शिक्षा समिति बवानीखेड़ा ने गरीबी रेखा के परिवारों की आय एक लाख 80 हजार से बढ़ाकर 3 लाख रुपये करने, बीआर अम्बेडर स्कूल के दर्जा बढवाए जाने , पूर रोड पर स्थित अम्बेडकर छात्रावास व ई लाइब्रेरी का कार्य शुरू करने तथा राष्ट्रीय राज्य मार्ग के साथ सर्विस रोड बनाए जाने की मांग को लेकर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री रामदास आठवले मुलाकात की। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने उनकी मांग पूरी करवाए जाने को लेकर हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी को भेजा। साथ ही उन्होंने भरोसा दिलाया कि उनकी मांगों को जल्द ही पूरा करवाया जाएगा। ताकि लोगों को किसी तरह की परेशानी न झेलनी पड़े। यह जानकारी देते हुए हरियाणा जागृति मोर्चा के अध्यक्ष राजेश सिंधू व आरपीआई के पूर्व अध्यक्ष कुंदन चौधरी ने बताया कि गरीब रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले की

बवानीखेड़ा में ई लाइब्रेरी स्थापित करवाने की मांग

अगर बवानीखेड़ा में एक ई लाइब्रेरी स्थापित हो जाए तो उन बच्चों की प्रतियोगिता की बेहतरीन तैयारी हो सकती है। हैरानी की बात यह है कि ई लाइब्रेरी के लिए नपा के पास जमीन है, प्रस्ताव भी पारित किया हुआ है। पर आज तक कस्बे में ई लाइब्रेरी एवं छात्रावास स्थापित नहीं हो पाया है। जिससे बच्चों को अनेक तरह की समस्याएं उठानी पड़ रही है। इनके अलावा उक्त इलाके में बीआर अम्बेडर नाम से स्कूल स्थापित है। उस स्कूल को अपग्रेड किया जाए तो बच्चों को फायदा होगा। क्योंकि इस स्कूल मे गरीब परिवार के बच्चे शिक्षा पा रहे है। अगर इस स्कूल को अपग्रेड कर दिया जाए तो बच्चों को फायदा होगा। उन्होंने बताया कि हालही में क्षेत्र में एक हाईवे बनाया गया है। उसके साथ कोई भी सर्विस रोड नहीं दिए गए है। जिससे उस इलाके के लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।प्रतिनिधि मंडल में अंबेडकर सभा के प्रधान रामबीर, संक्षरक रोशन लाल तथा सुरेश विधवान आदि शामिल थे।

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी का दर्जा देने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ तोशाम

तोशाम में हरियाणा ग्रामीण चौकीदार यूनियन की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रधान कर्मवीर ने की तथा संचालन मनोज झांवरी ने किया। बैठक में विभिन्न मांगों को लेकर चर्चा की गई। इसके बाद चौकीदारों ने बीडीपीओ और एसडीएम तोशाम को ज्ञापन सौंपा। चौकीदारों ने मांग की कि हरियाणा ग्रामीण चौकीदारों को चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी का दर्जा दिया जाए। जब तक यह दर्जा नहीं दिया जाता, तब तक उन्हें न्यूनतम 26 हजार रुपये मासिक वेतन दिया जाए, जो हर महीने की सात तारीख तक उनके खातों में जमा हो। इसके अलावा जिन गांवों में चौकीदारों के पद खाली हैं, उन्हें शीघ्र भरा जाए। जिन चौकीदारों के डेथ पोर्टल पर मोबाइल नंबर लिंक नहीं हैं, उन्हें तुरंत लिंक करवाने की मांग भी उठाई गई। इस अवसर पर प्रधान अर्जुन सिंह, धर्मवीर धारण, जोगेंद्र पटौदी, कृष्ण बागनवाला, कृष्ण संडवा, राजपाल पिंजोखरा, राजकुमार ढाणीमाहू, संजय जैनावास, राजवीर दांगकला, दरिया सिंह रोढ़ा, रमेश भेरा, सोमबीर दूल्हेड़ी आदि मौजूद रहे।

नशे की लत का कारण हमारी गलत जीवन शैली : बीके वसुधा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। ग्रामीणों को नशा के खिलाफ जागरुक करती बीके ज्योति बहन।

महाशिवरात्रि पर्व व नशामुक्त भारत अभियान के अतंर्गत ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र कादमा-झोझूकलां के तत्वावधान में बधवाना गांव में शिव दर्शन व व्यसन मुक्ति आध्यात्मिक प्रदर्शनी में परमपिता परमात्मा शिव व शंकर की झांकी ने शिव परमात्मा का सत्य परिचय दिया। प्रभारी राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी वसुधा बहन ने कहा कि महाशिवरात्रि पर्व पर अपने कड़वे संस्कार, आक, धतूरे समान जहरीले नशों को परमात्मा शिव पर चढ़ा दें, जिससे हमारा जीवन शुद्ध पवित्र निर्मल स्वच्छ बन जाएगा। बीके वसुधा बहन ने कहा कि नशे की लत का कारण हमारी गलत जीवन शैली है। उन्होंने कहा कि सामाजिक परिस्थितियां, संगदोष, पारिवारिक परिवेश, कुसंग से आज के युवा प्रभावित हैं। नकारात्मक सोच के कारण जीवन की परिस्थितियों से संघर्ष न कर कुछ पल की शांति के लिए विभिन्न प्रकार के नशीले पदार्थ व दवायों का प्रयोग कर अपना मानसिक संतुलन खराब कर लेते हैं, जिसकारण युवा पीढ़ी तनाव डिप्रेशन का शिकार है। उन्होंने कहा मानसिक संतुलन व तनावमुक्त जीवनशैली से नशा मुक्त रहने के लिए मेडिटेशन राजयोग रामबाण औषधि है।

नशा मुक्ति से ही हो सकता है सर्वांगीण विकास

कार्यक्रम में डॉ. देवेंद्र वर्मा व कुलदीप ने कहा कि नशा मुक्ति से ही गांवों का सर्वांगीण विकास हो सकता है, क्योंकि जब तक हमारे युवा नशे की लत से मुक्त नहीं बनेंगे तो घर परिवार गांव और समाज का विकास असंभव है। झोझूकलां सेवाकेंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी ज्योति बहन ने कहा कि अगर हम गांवों को नशा मुक्त बनाना चाहते हैं तो अपनी दैनिक दिनचर्या में मेडिटेशन राजयोग को शामिल करना हुआ जिससे हम अपनी आंतरिक ऊर्जा को सकारात्मक सोच के साथ प्रयोग कर स्वयं व समाज का कल्याण कर सकते हैं। नशा मुक्ति अभियान के दौरान शिव शंकर की झांकी आकर्षण का केंद्र रही ब्रह्माकुमार भाई बहनों ने गली मोहल्लों के साथ घर-घर जाकर नशा मुक्त जीवन शैली अपनाने के लिए पर्चे बांट व गृहस्थ जीवन को श्रेष्ठ बनाने व नशा मुक्त रहने का आह्वान किया।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील से छोटे एवं सीमांत किसानों को झेलने पड़ेंगे दुष्परिणामः कृष्ण

भिवानी। भारत और अमेरिका के बीच हाल ही में हुए ट्रेड डील को लेकर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण जमालपुर ने गहरी चिंता व्यक्त की है। जमालपुर ने सरकार से मांग की कि डील की शर्तों को सार्वजनिक किया जाए और यह स्पष्ट किया जाए कि इससे किसानों के हित किस प्रकार सुरक्षित रहेंगे। कृष्ण ने कहा कि समझौते के तहत कृषि उत्पादों के आयात पर शुल्क में कमी की या अमेरिकी कृषि उत्पादों को भारतीय बाजार में अधिक पहुंच दी गई है, तो इसका सीधा असर देश के किसानों की आय पर पड़ेगा।

सूचना

मैं, शालिनी गुप्ता पत्नी विकास गुप्ता निवासी सतीश इलेक्ट्रिक वर्क्स, नया बाजार, भिवानी बयान करती हूँ मैंने अपना नाम शालिनी से बदलकर शालिनी गुप्ता रख लिया है। भविष्य में मुझे शालिनी गुप्ता के नाम से जाना व पहचाना जाए।

शिविर में स्वयंसेवकों को सेवाभाव और अनुशासन के प्रति किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

महाराजा नीमपाल सिंह राजकीय महाविद्यालय की एनएसएस की तीनों इकाइयों द्वारा वीरवार से देवसर गांव में सात दिवसीय विशेष शिविर का विधिवत शुभारंभ किया। कार्यक्रम के मुख्यतिथि डॉ. संजीव शर्मा एनएसएस संयोजक चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय रहे, जबकि अध्यक्षता प्राचार्य प्रोफेसर जगबीर सिंह श्योराण ने की। इस अवसर पर डॉ. जगबीर मान व डॉ. पंकज शर्मा भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के आरंभ में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों एवं स्वयंसेवकों ने मुख्यतिथि, प्राचार्य तथा वरिष्ठ प्राध्यापकों का एनएसएस गीत के साथ स्वागत किया। मुख्यतिथि डॉ. संजीव शर्मा ने कहा कि एनएसएस केवल सेवा का मंच नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण की प्रयोगशाला है, ऐसे शिविर युवाओं में सामाजिक उत्तरदायित्व, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र सेवा की भावना विकसित करते हैं। प्राचार्य श्योराण ने कहा कि सेवा, अनुशासन और सहभागिता से व्यक्तित्व निखरता है।

पहरेदार बनकर पूरी रात की निगरानी करते रहे अधिकारी

लोहारू। कर्मचारियों की राष्ट्रव्यापी हड़ताल के मद्देनजर जिलाधीश साहिल गुप्ता द्वारा हरियाणा राज्य परिवहन निगम के डिपो और सब डिपो पर कानून और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए एसडीएम मनोज दलाल सहित नियुक्त ड्यूटी मजिस्ट्रेट और पुलिस अधिकारी बुधवार की रात भर तैनात रहे। अधिकारियों ने शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पहरेदार बनकर पूरी रात निगरानी की। उल्लेखनीय है कि कर्मचारियों द्वारा अपनी विभिन्न मांगों को लेकर 12 फरवरी को राष्ट्रीय हड़ताल का आवाहन किया गया था। हड़ताल के दौरान जिलाधीश ने जिला में हरियाणा राज्य परिवहन निगम के मैन बस स्टैंड, भिवानी, सब-डिपो लोहारू सब-डिपो तोशाम, हरियाणा रोडवेज के कार्यशाला परिसर, लोहारू उप-डिपो और तोशाम उप-डिपो व कार्यशाला परिसर के दो किलोमीटर की परिधि के अंदर कानून और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 के तहत धारा 163 लागू की गई है।

सांगी वेद प्रकाश अत्री ने जीवंत किया राजा दुष्यंत-शकुंतला का प्रसंग

बापोड़ा की पंचवीर गोशाला में गूंजी सांग की तान

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

हरियाणा की समृद्ध लोक परंपरा सांग आज भी जनमानस के दिलों में रची-बसी है। गांव बापोड़ा स्थित पंचवीर गौशाला में हरियाणा कला परिषद (रोहतक मण्डल) के सौजन्य से आयोजित सात दिवसीय सांग महोत्सव के तीसरे दिन वीरवार को पौराणिक कथाओं की अनूठी छटा बिखरी।

प्रख्यात सांगी वेद प्रकाश अत्री और उनके दल ने पंडित मांगेराम द्वारा रचित कालजयी सांग राजा दुष्यंत-शकुंतला का मंचन कर उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। बाबा पंचवीर गौशाला संस्था के प्रधान और उनकी पूरी टीम ने बताया कि इस महोत्सव का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि एक पुनीत कार्य भी है। गौशाला में साल भर के लिए हरे और सूखे चारे की व्यवस्था करने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

शकुंतला जन्म का प्रसंग सुनाया

इस दौरान सांगी वेद प्रकाश अत्री ने कथा का आरंभ विश्वामित्र की कठोर तपस्या से किया। उन्होंने बड़े ही रोचक ढंग से बताया कि कैसे ऋषि की तपस्या से इंद्र का सिंहासन डोलने लगा और स्वर्ग की अप्सरा मेनका को उनकी तपस्या भंग करने के लिए धरती पर भेजा गया। सांग में बताया गया कि मेनका और विश्वामित्र के मिलन से जन्मी कन्या को मेनका स्वर्ग लौटते समय छोड़ गई, जिसका पालन-पोषण कण्व ऋषि के आश्रम में हुआ और उसका नाम शकुंतला रखा गया। हस्तिनापुर के राजा दुष्यंत जब आखेट के दौरान आश्रम पहुंचे, तो शकुंतला के सौंदर्य पर मोहित होकर उन्होंने उनसे गंधर्व विवाह किया। राजा के वियोग में डूबी शकुंतला जब ऋषि दुर्वासा को प्रणाम करना भूल गई, तो क्रोधित ऋषि ने श्राप दिया कि तू जिसके ख्यालों में खोई है, वही तुझे भूल जाएगा। यही श्राप कथा में विरह और रोमांचकारी मोड़ लेकर आया। सांग के समापन सत्र में दिखाया गया कि कैसे तमाम कठिनाइयों और बिछडन के बाद राजा दुष्यंत और शकुंतला का पुनर्मिलन हुआ।

चुनाव प्रोग्राम प्रबंधक कमेटी दि घुसकानी बहुउद्देशीय सहकारी ऋण एवं सेवा समिति लि0 घुसकानी चुनाव तिथि : 20.03.2026

क्र.स.	विवरण	तिथि व समय	स्थान
1.	उप नियम 35 के उप पैरा 2 के अधीन यथाअपेक्षित मतदाताओं की सूची का प्रदर्शन	दिनांक 16.02.2026 से 20.02.2026 तक	1. कार्यालय निरीक्षक सहकारी समितियां भिवानी 1 2. कार्यालय सहायक रजिस्ट्रार सहकारी समितियां भिवानी, 3. कार्यालय दी घुसकानी सहकारी ऋण एवं सेवा लि0 घुसकानी व उसके कार्यक्षेत्र 4. उप रजिस्टार सहकारी समितियां भिवानी
2.	पैरा 35 के उप पैरा 4 के अधीन यथाअपेक्षित मतदाताओं की सूची से संबंधित आक्षेपों को सुनवाई	दिनांक 23.02.2026 प्रातः 10.00 बजे से दोपहर 1.00 बजे तक	कार्यालय सहायक रजिस्ट्रार सहकारी समितियां भिवानी स्थित लघु सचिवालय प्रथम मंजिल भिवानी।
3.	नामांकन पत्र दायर करना	दिनांक 03.03.2026 प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक	..................उपरोक्त..............
4.	नामांकन पत्रो की समीक्षा	दिनांक 05.03.2026 प्रातः 10:00 बजे	..................उपरोक्त..............
5.	नामाकंन पत्र वापिस लेना	दिनांक 09.03.2026 दोपहर 1:00 बजे तक	..................उपरोक्त..............
6.	उम्मीदवारों को चुनाव चिन्हों का आवंटन और विधिमान्य नामित रूप से नामनिर्दिष्ट उम्मीदवारों की सूची का प्रदर्शन	दिनांक 09.03.2026 सांय 3:00 बजे से सांय 05:00 बजे तक	..................उपरोक्त..............
7.	मतदान कराना यदि आवश्यक हो तो	दिनांक 20.03.2026 प्रात 8:00 बजे से सांय 4:00 बजे तक	निम्नलिखित स्थान पर होगा चुनाव ....

क्र.स.	मतदान केन्द्र	पोलिंग स्थान	गांव जिनके मतदान होने है	मतदाता सूचि की क्रम संख्या	कुल मत
1.	घुसकानी	कार्यालय घुसकानी सहकारी ऋण एवं सेवा लि0 घुसकानी बूथ नं0 1	घुसकानी	01 से 303 तक	303

नोटः (1) दस सदस्य प्रबंध कमेटी में चुने जाने हैं जिनमें से 7 कृषक सदस्य व 3 अकृषक सदस्य होंगे।
(2) एक पद अनूसुचित वर्ग के लिए आरक्षित, दो पद महिलाओं के लिए आरक्षित व एक पद बी.सी. वर्ग के लिए आरक्षित रहेगा।
(3) मतदान के समय सभी मतदाता अपना फोटोयुक्त पहचान पत्र साथ लावें।

(चुनाव अधिकारी)
सहायक रजिस्ट्रार,
सहकारी समितियां भिवानी

चुनाव प्रोग्राम प्रबंधक कमेटी दि रूपगढ़ बहुउद्देशीय सहकारी ऋण एवं सेवा समिति लि0 रूपगढ़ चुनाव तिथि : 20.03.2026

क्र.स.	विवरण	तिथि व समय	स्थान
1.	उप नियम 35 के उप पैरा 2 के अधीन यथाअपेक्षित मतदाताओं की सूची का प्रदर्शन	दिनांक 16.02.2026 से 20.02.2026 तक	1. कार्यालय निरीक्षक सहकारी समितियां भिवानी 1 2. कार्यालय सहायक रजिस्ट्रार सहकारी समितियां भिवानी, 3. कार्यालय दी रूपगढ़ सहकारी ऋण एवं सेवा लि0 रूपगढ़ व उसके कार्यक्षेत्र 4. उप रजिस्टार सहकारी समितियां भिवानी
2.	पैरा 35 के उप पैरा 4 के अधीन यथाअपेक्षित मतदाताओं की सूची से संबंधित आक्षेपों को सुनवाई	दिनांक 23.02.2026 प्रातः 10.00 बजे से दोपहर 1.00 बजे तक	कार्यालय सहायक रजिस्ट्रार सहकारी समितियां भिवानी स्थित लघु सचिवालय प्रथम मंजिल भिवानी।
3.	नामांकन पत्र दायर करना	दिनांक 03.03.2026 प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक	..................उपरोक्त..............
4.	नामांकन पत्रो की समीक्षा	दिनांक 05.03.2026 प्रातः 10:00 बजे	..................उपरोक्त..............
5.	नामाकंन पत्र वापिस लेना	दिनांक 09.03.2026 दोपहर 1:00 बजे तक	..................उपरोक्त..............
6.	उम्मीदवारों को चुनाव चिन्हों का आवंटन और विधिमान्य नामित रूप से नामनिर्दिष्ट उम्मीदवारों की सूची का प्रदर्शन	दिनांक 09.03.2026 सांय 3:00 बजे से सांय 05:00 बजे तक	..................उपरोक्त..............
7.	मतदान कराना यदि आवश्यक हो तो	दिनांक 20.03.2026 प्रात 8:00 बजे से सांय 4:00 बजे तक	निम्नलिखित स्थान पर होगा चुनाव ....

क्र.स.	मतदान केन्द्र	पोलिंग स्थान	गांव जिनके मतदान होने है	मतदाता सूचि की क्रम संख्या	कुल मत
1.	रूपगढ़	कार्यालय रूपगढ़ सहकारी ऋण एवं सेवा लि0 रूपगढ़ बूथ नं0 1	रूपगढ़, नन्द गांव, झरवाई, ढाणी जंगा	01 से 457 तक	457

नोटः (1) दस सदस्य प्रबंध कमेटी में चुने जाने हैं जिनमें से 7 कृषक सदस्य व 3 अकृषक सदस्य होंगे।
(2) एक पद अनूसुचित वर्ग के लिए आरक्षित, दो पद महिलाओं के लिए आरक्षित व एक पद बी.सी. वर्ग के लिए आरक्षित रहेगा।
(3) मतदान के समय सभी मतदाता अपना फोटोयुक्त पहचान पत्र साथ लावें।

(चुनाव अधिकारी)
सहायक रजिस्ट्रार,
सहकारी समितियां भिवानी

चुनाव प्रोग्राम प्रबंधक कमेटी दि राजगढ़ बहुउद्देशीय सहकारी ऋण एवं सेवा समिति लि0 राजगढ़ चुनाव तिथि : 20.03.2026

क्र.स.	विवरण	तिथि व समय	स्थान
1.	उप नियम 35 के उप पैरा 2 के अधीन यथाअपेक्षित मतदाताओं की सूची का प्रदर्शन	दिनांक 16.02.2026 से 20.02.2026 तक	1. कार्यालय निरीक्षक सहकारी समितियां भिवानी 1 2. कार्यालय सहायक रजिस्ट्रार सहकारी समितियां भिवानी, 3. कार्यालय दी राजगढ़ सहकारी ऋण एवं सेवा लि0 राजगढ़ व उसके कार्यक्षेत्र 4. उप रजिस्टार सहकारी समितियां भिवानी
2.	पैरा 35 के उप पैरा 4 के अधीन यथाअपेक्षित मतदाताओं की सूची से संबंधित आक्षेपों को सुनवाई	दिनांक 23.02.2026 प्रातः 10.00 बजे से दोपहर 1.00 बजे तक	कार्यालय सहायक रजिस्ट्रार सहकारी समितियां भिवानी स्थित लघु सचिवालय प्रथम मंजिल भिवानी।
3.	नामांकन पत्र दायर करना	दिनांक 03.03.2026 प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक	..................उपरोक्त..............
4.	नामांकन पत्रो की समीक्षा	दिनांक 05.03.2026 प्रातः 10:00 बजे	..................उपरोक्त..............
5.	नामाकंन पत्र वापिस लेना	दिनांक 09.03.2026 दोपहर 1:00 बजे तक	..................उपरोक्त..............
6.	उम्मीदवारों को चुनाव चिन्हों का आवंटन और विधिमान्य नामित रूप से नामनिर्दिष्ट उम्मीदवारों की सूची का प्रदर्शन	दिनांक 09.03.2026 सांय 3:00 बजे से सांय 05:00 बजे तक	..................उपरोक्त..............
7.	मतदान कराना यदि आवश्यक हो तो	दिनांक 20.03.2026 प्रात 8:00 बजे से सांय 4:00 बजे तक	निम्नलिखित स्थान पर होगा चुनाव ....

क्र.स.	मतदान केन्द्र	पोलिंग स्थान	गांव जिनके मतदान होने है	मतदाता सूचि की क्रम संख्या	कुल मत
1.	राजगढ़	कार्यालय राजगढ़ सहकारी ऋण एवं सेवा लि0 राजगढ़ बूथ नं0 1	राजगढ़, नवा, भिराना, ढाणी	01 से 539 तक	539

नोटः (1) दस सदस्य प्रबंध कमेटी में चुने जाने हैं जिनमें से 7 कृषक सदस्य व 3 अकृषक सदस्य होंगे।
(2) एक पद अनूसुचित वर्ग के लिए आरक्षित, दो पद महिलाओं के लिए आरक्षित व एक पद बी.सी. वर्ग के लिए आरक्षित रहेगा।
(3) मतदान के समय सभी मतदाता अपना फोटोयुक्त पहचान पत्र साथ लावें।

(चुनाव अधिकारी)
सहायक रजिस्ट्रार,
सहकारी समितियां भिवानी

खबर संक्षेप

मंदिर में चोरी, चांदी का मुकुट व छत्र ले उड़ा चोर

बाढड़ा। गांव गोपी स्थित बाबा श्योनन्द के मंदिर में बुधवार रात्रि को अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी की वारदात को अंजाम देने का मामला सामने आया है। चोर मंदिर में लगे शीशे के गेट को तोडक़र बाबा जी का चांदी का मुकुट व छत्र चोरी कर ले गया जो सारा वाकया सीसीटीवी में नजर आ रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार गांव गोपी निवासी जितेन्द्र उर्फ नोटी भगत पुत्र राजबीर सिंह ने थाना बाढड़ा में दी शिकायत में बताया कि श्योनंद महाराज का धार्मिक स्थल को क्षेत्र में बड़ी मान्यता है और प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु पहुंच कर पूजा अर्चाना करते हैं।

एनएसएस कैंप में फर्स्ट एड की जानकारी दी

बाढड़ा। महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस इकाई वन एवं टू द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी मीना व डॉ मुकेश कुमार तथा स्वयंसेवकों के द्वारा लक्ष्य गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम की गरिमामयी शुरुआत की गई। कार्यक्रम कैंप प्रातः कालीन सत्र में अनूप सिंह ने प्राथमिक उपचार एवं एचआईवी/एड्स जागरूकता विषय पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने आपातकालीन परिस्थितियों में प्राथमिक उपचार के महत्व, दुर्घटना या चोट लगने पर त्वरित सहायता के उपायों तथा एचआईवी/एड्स से बचाव के तरीकों के बारे में जानकारी दी।

सूर्य नमस्कार अभियान के अंतर्गत करवाया योग

बाढड़ा। हरियाणा योग आयोग द्वारा आयुष विभाग, खेल विभाग व शिक्षा विभाग के माध्यम से सूर्य नमस्कार अभियान के अंतर्गत जिला आयुर्वेदिक कार्यालय चरखी दादरी के निर्देशानुसार मोहन भगत सीनियर सेकेंडरी स्कूल काकड़ोली में आयुष योग शिक्षक योगाचार्य दिनेश रोहिल्ला, नरेंद्र सिंह व संजय कुमार द्वारा योग कैंप का आयोजन किया गया। दिनेश रोहिला ने सूर्य नमस्कार, विभिन्न योगासन, प्राणायाम, ध्यान, मुद्रा आदि का अभ्यास करवाया गया।
योग भारतीय सनातन संस्कृति और परंपरा एवं प्राचीन सभ्यता से जुड़ा हुआ है। भारतीय संस्कृति ने दुनिया को अनेकों उपहार दिए हैं, और इन्हीं में एक योग भी है।

सरपंचों व ग्रामीणों ने जिला परिषद चेयरपर्सन को दी शिकायत

थाना प्रभारी पर लगाया दुर्व्यवहार करने का आरोप, कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭तोशाम

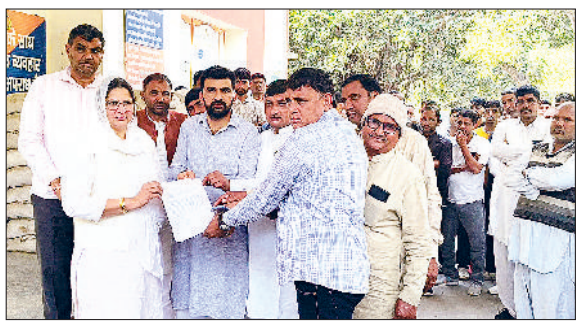

तोशाम। थाने में जिला परिषद चेयरपर्सन को मांगपत्र सौंपते सरपंच व उनके समर्थक व थाने में उपस्थित कई गांव के लोग। *फोटो: हरिभूमि*

सरपंच, सरपंच प्रतिनिधि तथा कुछ ग्रामीणों ने तोशाम के थाना प्रभारी पर दुर्व्यवहार करने व थाने से बाहर निकालने व गांव के व्यक्तियों द्वारा शिकायत देने पर अवैध तरीके से हिरासत में रखने का आरोप लगाते हुए तोशाम थाना प्रभारी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग को लेकर जिला परिषद चेयरपर्सन अनीता मलिक को ज्ञापन दिया है। मामले को लेकर गुरुवार को विभिन्न गांव के सरपंच तथा सैकड़ो ग्रामीण तोशाम थाने में एकत्रित हुए इस दौरान जिला परिषद चेयरपर्सन अनिता मालिक भी थाने में पहुंची। लेकिन तोशाम थाने में थाना प्रभारी मौजूद नहीं मिले तो डीएसपी तथा एसडीएम से बात की गई तो वह भी अपने कार्यालय में मौजूद नहीं थे। जिस पर चेयरपर्सन अनीता मलिक ने तुरंत प्रभाव से संज्ञान लेते हुए भिवानी के पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार से फोन पर बात की। जिस पर पुलिस अधीक्षक ने डीएसपी को भेजने के लिए कहा डीएसपी से बात की गई तो उन्होंने थाना प्रभारी को थाने में भेजा। जनप्रतिनिधियों, सरपंचों तथा ग्रामीणों द्वारा जिला परिषद चेयरपर्सन अनिता मलिक को दी शिकायत में बताया कि गत दिवस राजेश, कुलदीप, संदीप, कुलदीप तथा अन्य कुछ व्यक्ति तोशाम थाने में किसी मामले को लेकर शिकायत दर्ज करवाने के लिए आए थे। इस दौरान थाने में बैठे थाना प्रभारी महावीर सिंह ने उन सभी को देखते ही राजेश पुत्र रामस्वरूप को हवालात में अंदर डाल दिया तथा अनुसूचित जाति के लोगों से एप्लीकेशन लेकर उनके ऊपर एससी एक्ट की झूठी कार्रवाई करने के लिए कहा और बाकी 8 से 10 व्यक्तियों को बाहर बैठा दिया गया। शिकायत के माध्यम से उन्होंने बताया कि तत्पश्चात उनके साथ आए व्यक्तियों ने गांव के सरपंचों व अन्य जनप्रतिनिधि के पास फोन किया। जिस पर गांव पिंजोखरा के सरपंच प्रतिनिधि अंकित व गांव गारणपुरा के सरपंच मेदा तोशाम थाने में पहुंचे। उनका कहना था कि तत्पश्चात उन्होंने थाना प्रभारी से गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों के बारे में पूछा तो थाना प्रभारी महावीर सिंह ने उनके साथ भी दुर्व्यवहार किया व उन्हें थाने से बाहर निकाल दिया। उन्होंने कहा कि इस घटना से उनके मान सम्मान को ठेस पहुंची है तथा गांव के व्यक्तियों को थाना प्रभारी द्वारा अवैध तरीके से हिरासत में रखकर उनको गाड़ी के लिए रुपए देने के लिए कहा है और रुपए न देने पर डराया व धमकाया गया है। थाना प्रभारी द्वारा किए गए दुर्व्यवहार से नाराज विभिन्न सरपंच तथा ग्रामीण सैकड़ो की संख्या में गुरुवार को तोशाम थाने में पहुंचे और तोशाम थाना प्रभारी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए जिला परिषद चेयरपर्सन अनिता मलिक को शिकायत दी। इस दौरान जिला परिषद चेयरपर्सन अनिता मलिक भी सरपंच तथा ग्रामीणों के बीच थाने में पहुंच गई परंतु थाने में थाना प्रभारी मौजूद नहीं थे तत्पश्चात डीएसपी एवं एसडीएम से बात की गई तो वह भी अपने कार्यालय में मौजूद नहीं थे।

चेयरपर्सन ने की थाना प्रभारी से बात

इसके बाद चेयरपर्सन अनीता मलिक ने भिवानी के पुलिस अधीक्षक से फोन पर बात की तो उन्होंने डीएसपी को मौके पर भेजने के लिए कहा। तत्पश्चात चेयरपर्सन ने डीएसपी से बात की तो उन्होंने थाना प्रभारी को ही उनके बीच तोशाम थाने में भेजा। इस दौरान जिला परिषद चेयरपर्सन अनिता मलिक की विभिन्न सरपंच तथा ग्रामीणों की मौजूदगी में थाना प्रभारी से वार्तालाप हुई।

क्या कहते हैं डीएसपी

डीएसपी दलीप कुमार ने बताया कि आज वे किसी कार्य से बाहर है। उनको मामले की जानकारी नहीं है। वे मुख्यालय पहुंचकर ही सारी बातें बता सकते है। किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।

कार्यालय में जन समस्या सुनते विधायक सुनील सांगवान। *फोटो: हरिभूमि*

विधायक सुनील सांगवान ने सुनीं जन समस्याएं, दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

विधायक सुनील सांगवान ने बुधवार को अपने कैंप कार्यालय में की जन समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के लोग अपनी-अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे।

विधायक सुनील सांगवान ने एक-एक फरियादी की बात गंभीरता से सुनते हुए अधिकारियों को स्पष्ट कहा कि जनता की समस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरकार की प्राथमिकता आमजन को राहत पहुंचाना है और इसके लिए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें। जन सुनवाई के दौरान मुख्य रूप से पेयजल आपूर्ति, बिजली कनेक्शन, सड़क मरम्मत, नालों की सफाई, पेंशन संबंधी मामलों तथा राजस्व विभाग से जुड़े प्रकरण सामने आए। विधायक ने अधिकारियों को कई मामलों में तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए। कहा कि प्रदेश की नायब सरकार "बिना पर्ची और बिना खर्ची" के पारदर्शी व्यवस्था के तहत कार्य कर रही है और जनहित के कार्यों में तेजी लाई जा रही है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आमजन को कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़ें, यह सुनिश्चित करना उनकी जिम्मेदारी है।

सैनी ने ली शिकायतें

चरखी दादरी। वीरवार को लघु सचिवालय हाल में समाधान शिविर आयोजित हुआ, जिसमें एसडीएम योगेश सैनी ने नागरिकों की समस्याएं सुनी। एसडीएम ने अधिकारियों को स्पष्ट तौर पर निर्देश दिए कि वे समस्याओं को गंभीरता से लेकर उनका समाधान करें। नागरिकों की बिजली, पानी और सीवरेज आदि संबंधित समस्याओं का समाधान करना ही अधिकारियों की प्राथमिकता होनी चाहिए। इस दौरान एसडीएम ने एक एक करके गौर से समस्याओं को सुना तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशासन का मुख्य उद्देश्य आमजन की समस्याओं का एक ही छत के नीचे बैठकर निदान करना है। जिला व उपमंडल स्तर पर प्रत्येक सोमवार और वीरवार को सुबह 10 से 12 बजे तक समाधान शिविर का आयोजन किया जाता है।

खेलों में रमन सदन रहा प्रथम

- आरईडी स्कूल चरखी में तीसरी से आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए अंतर सदनीय खेलकूद प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

चरखी दादरी। प्रतियोगिता में हिस्सा लेते विद्यार्थी *फोटो: हरिभूमि*

आरईडी स्कूल चरखी में बुधवार को तीसरी से आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए अंतर सदनीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने विभिन्न ट्रैक एवं फील्ड प्रतियोगिताओं में भाग लिया, जिनमें 100 मीटर, 200 मीटर दौड़, हर्डल रेस, लंबी कूद, शॉटपुट, स्किपिंग तथा तीन टांग दौड़ शामिल रहीं। इसके साथ ही वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, फुटबॉल, बैडमिंटन, कबड्डी, शतरंज एवं कैरम जैसे टीम एवं इनडोर खेलों ने भी सभी का ध्यान आकर्षित किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर रमन सदन ने सर्वाधिक अंक प्राप्त कर प्रथम, टैगोर सदन द्वितीय तथा सुभाष सदन तृतीय स्थान पर रहा।

खेलों से बढ़ता है आत्मविश्वास : पूनिया

प्राचार्य सिकंदर पूनिया ने विजेता विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि खेलों से आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है। प्राचार्य ने खेल शिक्षक समरपाल यादव और सभी शिक्षकों के सहयोगात्मक प्रयासों की सराहना की।

सात लाख से अधिक ने किया सूर्य नमस्कार

- स्वामी दयानंद सरस्वती जयंती पर किया सूर्य नमस्कार अभियान का समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

हरियाणा योग आयोग और आयुष विभाग द्वारा जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में 12 जनवरी स्वामी विवेकानंद जयंती से लेकर 12 फरवरी दयानंद सरस्वती जयंती तक चले सूर्य नमस्कार अभियान में जिला भिवानी में सात लाख से अधिक लोगों ने सूर्य नमस्कार किया है। सूर्य नमस्कार के समापन के दिन वीरवार को स्वामी दयानंद सरस्वती जयंती पर टीआईटी स्कूल भिवानी और जिंदल स्कूल तोशाम में सूर्य नमस्कार कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयुष विभाग से कोऑर्डिनेटर डॉ संजय वैद ने बताया कि आयुष विभाग भिवानी के सभी योग सहायकों द्वारा जिला भर में योग शिविर आयोजित किए गए। अभियान के माध्यम से आम जन मानस तक सूर्य नमस्कार को पहुंचाया गया। इस अवसर पर जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ रश्मि शर्मा , डॉ संजय वैद , डॉ निशा खट्टर, डॉ प्रीति शर्मा , कविता अहलावत, रेणु वर्मा, स्कूल के प्राचार्य डॉ डीपी शर्मा, सरिता शर्मा, बबीता देवी सहित अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद रहे। उधर जिंदल पब्लिक स्कूल तोशाम में ट्रस्टी देवेन्द्र देव शर्मा, प्राचार्य शिवकुमार शर्मा, नरेंद्र तंवर, पुनीता अग्रवाल, शर्मिला ने बच्चों को योग अपनाने की सलाह दी एवं आयुष जिला योग कोऑर्डिनेटर डॉ वैद, योग शिक्षक गजानंद शास्त्री व अशोक को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

बुराइयों का विरोध

उन्होंने कहा कि दयानंद सरस्वती ने 1875 में मुंबई में आर्य समाज की स्थापना की, जिसका उद्देश्य वेदों का प्रचार और सामाजिक सुधार था। उन्होंने मूर्ति पूजा, बाल विवाह, पशु बलि और दहेज जैसी सामाजिक बुराइयों का विरोध किया और महिला शिक्षा व विधवा पुनर्विवाह का समर्थन किया। स्वामी ने वेदों की ओर लौटो का प्रसिद्ध नारा दिया था।

स्वयंसेवकों ने महर्षि दयानंद सरस्वती को किया नमन, सीखे साइबर सुरक्षा के गुर

भिवानी। गांव बापोड़ा स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में प्राचार्य राजेश कुमार की अध्यक्षता में एक दिवसीय एनएसएस कैंप का आयोजन किया। इस दौरान विद्यार्थियों को शैक्षणिक ज्ञान के साथ-साथ नैतिक और तकनीकी विषयों से अवगत करवाया। कार्यक्रम की शुरुआत महर्षि दयानंद सरस्वती को श्रद्धांजलि अर्पित करके की। इस मौके पर कार्यक्रम अधिकारी कुलदीप राठी ने महर्षि दयानंद सरस्वती के आदर्शों पर अपने विचार सांझा किए। वहीं प्रवक्ता प्रदीप शर्मा ने उनके जीवन संघर्ष और समाज सुधार में उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। शिविर का एक मुख्य आकर्षण साइबर सुरक्षा पर विशेष सत्र रहा। प्रवक्ता मनीष कुमार ने मुख्य रूप से डिजिटल मीडिया का सही उपयोग, साइबर सिक्योरिटी के प्रति जागरूकता, सोशल मीडिया पर कुछ भी साझा करने से पहले सोचने की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया। इस मौके पर संजीव कुमार, डॉ. देवेन्द्र, हेमंत कुमार, सुंदर लाल, विकास कुमार, नसीब पीटीआई और संदीप कुमार शामिल रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8814999151, 9253681005

शहर की सड़कों पर अवैध कब्जों का पहरा

- अवैध कब्जों के कारण राहगीरों का निकलना दूभर, भाजपा विधि प्रकोष्ठ ने उठाई आवाज

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

चरखी दादरी। किला रोड सड़क पर किया गया अतिक्रमण। *फोटो: हरिभूमि*

दादरी शहर की लाइफ लाइन मानी जाने वाली सड़कों पर अवैध अतिक्रमण ने आम जनता का जीना मुहाल कर दिया है। शहर के व्यस्ततम रोहतक चौक से लेकर किला रोड तक हालात इतने बदतर हो गए हैं कि पैदल चलने वालों के लिए बना फुटपाथ अब दुकानदारों और रेहड़ी चालकों की जागीर बन चुका है। इस ज्वलंत मुद्दे को लेकर भारतीय जनता पार्टी विधि प्रकोष्ठ के जिला संयोजक अधिवक्ता कुलवंत फौगाट ने मोर्चा खोल दिया है। अधिवक्ता कुलवंत फौगाट ने समाधान शिविर में सौंपे पत्र में कड़ा रोष जताते हुए कहा कि रोहतक चौक पर पुलिस पोस्ट भी स्थित है, वहां फुटपाथों पर पूरी तरह कब्जा कर लिया गया है। दुकानदारों ने अपनी दुकानों के बाहर अवैध रूप से होर्डिंग, बैनर और फ्लैक्स बोर्ड लगा दिए हैं, वहीं रेहड़ी चालकों ने सडक़ के दोनों किनारों को घेर लिया है। वहीं, दुकानदार जयसिंह, सुखबीर, राजकुमार ने कहा कि उन्होंने दुकानों के सामने कुछ मीटर तक सामान रखा है। जाम की समस्या अतिक्रमण के कारण नहीं बल्कि रोड पर खड़े वाहनों के कारण बनती है। यहां पार्किंग की जरूरत है। व्यापार मंडल के पूर्व प्रधान संजय छपारिया ने कहा कि शहर में कुछ जगहों पर अतिक्रमण है, लेकिन पूरे शहर में ऐसी कोई समस्या नहीं है। शहर का व्यापारी व दुकानदार जागरूक है। इस विषय में नगर परिषद चेयरमैन बक्सी राम सैनी ने कहा कि कहीं पर अतिक्रमण है तो जल्द ही हटा दिया जाएगा।

यहां ज्यादा दिक्कत

फौगाट ने बताया कि किला रोड पर सड़क पर स्टॉल लगाकर कब्जा किया गया है। कोर्ट आने वाले सैकड़ों लोगों और वकीलों को हर रोज जाम के झाम से जूझना पड़ता है। पुरानी अनाज मंडी और काठ मंडी जाने वाले रास्तों का भी यही हाल है। उन्होंने मांग की कि अंबेडकर चौक से रेलवे रोड और रोहतक चौक से किला रोड तक तुरंत अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जाए, अवैध होर्डिंग्स और फ्लैक्स बोर्ड को जब्त किया जाए। इस अवसर पर रमेश फौगाट, मोनू कुमार, राकेश कुमार, सुरेश, भूपेंद्र, अजीत सिंह मौजूद रहे।

राष्ट्र निर्माण में एनएसएस की अहम भूमिका : डॉ. चहल

लोहारू। चौधरी बंसीलाल कॉलेज में एनएसएस शिविर की शुरुआत करते प्राचार्य।

हरिभूमि न्यूज ⏭लोहारू

चौधरी बंसीलाल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मुकेश कुमार चहल ने कहा कि एनएसएस अर्थात राष्ट्रीय सेवा योजना समाजसेवा का सशक्त माध्यम है तथा एनएसएस इकाई के माध्यम से स्वयंसेवकों में राष्ट्र के प्रति समर्पण का भाव जागृत होता है। राष्ट्र निर्माण में एनएसएस स्वयंसेवकों की भूमिका अहम है, वे स्थानीय कॉलेज परिसर में आयोजित सात दिवस एनएसएस शिविर का बतौर मुख्यतिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सुजीत कुमार, डॉ. राजबाला, डॉ. सुखबीर सिंह, डॉ. बजरंग, विजय, मीनेश, डॉ. पूनम व रमेश आदि ने विद्यार्थियों को प्रेरित किया।

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सैं.मी 10X 8 सैं.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

लाइनपार क्षेत्र में कन्या विद्यालय बनाने की मांग विधानसभा में उठाई जाएगी: विधायक घनश्याम

सर्राफ ने मांग का समर्थन करते हुए डीसी से बात की, समिति को दिया आश्वासन

रेल अंडरपास महापंचायत ने विधायक सर्राफ को 12वीं तक का स्कूल बनाने को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

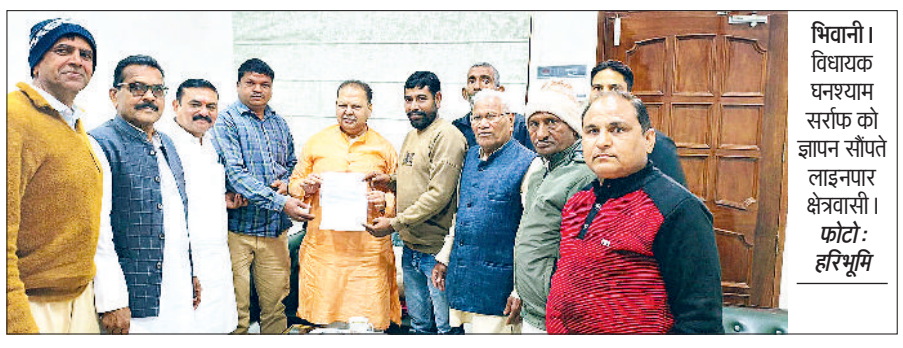

भिवानी। विधायक घनश्याम सर्राफ को ज्ञापन सौंपते लाइनपार क्षेत्रवासी। *फोटो: हरिभूमि*

विधायक घनश्यामदास सर्राफ को रेल अंडरपास महापंचायत शिष्टमंडल के प्रधान शिवकुमार गोठवाल पार्षद के नेतृत्व में उनके आवास पर मुलाकात की और स्कूल बनाओ अतिक्रमण हटाओ की मांग के लिए क्षेत्रवासियों ने पारित प्रस्ताव ज्ञापन पत्र सौंपा। शिष्ट मंडल में रामशरण ठेकेदार, मास्टर मनोज सैनी, रमेश वर्मा, मनीष बंसल, सुखबीर सिंह, मनोज कुमार मौजू, भोलू जोगी, सुरेश जांगड़ा, रोहतास वर्मा व आनंद सिंह तंवर शामिल रहे। महापंचायत शिष्टमंडल ने विधायक सर्राफ को लाइनपार क्षेत्र (न्यू भिवानी) में 12वीं कक्षा तक का कन्या विद्यालय बनाने की आवश्यक के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महापंचायत के प्रस्ताव को लाइनपार क्षेत्र सभी हजारों लोग, शहरवासी व सांसद धर्मवीर सिंह ने भी जायज ठहराया है।

विधायक सर्राफ ने तुरंत इस मुद्दे पर उपायुक्त से दूरभाष पर बातचीत की और मांग का समर्थन किया। पंचायत की इस मांग को विधानसभा में उठाने जाने के आग्रह को माना और कहा कि 20 फरवरी को विधानसभा बजट सत्र में लाइनपार क्षेत्र में कन्याओं के लिए स्कूल का मुद्दा उठाएंगे और घोषणा करवाने का प्रयास करूंगा।

अधूरे ओवरब्रिज का दौरा करने का आग्रह

प्रधान शिवकुमार ने विधायक सर्राफ को क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी दी और विकास कार्यों एवं ओवरब्रिज के अधूरे पड़े कामों को पूरा करवाने के बारे में निरीक्षण दौरा करने का आग्रह किया, जिसे स्वीकार किया। महापंचायत ने क्षेत्रवासियों की तरफ से विधायक सर्राफ का मांग का समर्थन करने और मांग को विधानसभा में उठाने के आश्वासन का धन्यवाद किया।